INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-245 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

वीबीजी रामजी में 20 दिन काम-बंदी, श्रमिकों को नहीं मिलेगी मजदूरी

एक से 20 नवंबर तक जीरो-डे, ई-मस्टर रोल जारी करने पर रोक

23 से 30 नवंबर तक विशेष रोजगार सप्ताह, श्रमिकों को काम देने की तैयारी

यूनिक समय, मथुरा। वीबीजी रामजी के तहत एक से 20 नवंबर तक गांवों में काम नहीं कराया जाएगा और न ही इस अवधि का मजदूरी भुगतान होगा। रबी सीजन में निर्धारित इस अवधि को रोजगार का जीरो-डे माना जाएगा। इसके चलते श्रमिकों को काम से विराम रहेगा,

जबकि कार्यक्रम अधिकारियों को ई-मस्टर रोल जारी नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवधि में काम कराए जाने पर मजदूरी का भुगतान वीबीजी रामजी मद से नहीं किया जाएगा।

दरअसल, वीबीजी रामजी में फसलों के चक्र के अनुसार साल में तीन बार श्रमिकों के लिए अवकाश अवधि निर्धारित करने का प्रावधान है। रबी सीजन में एक से 20 नवंबर तक इसी व्यवस्था के तहत रोजगार के जीरो-डे अंकित किए जाएंगे। श्रम रोजगार उपायुक्त विजय कुमार पांडेय ने बताया कि सभी कार्यक्रम अधिकारियों के साथ जल्द रणनीति तैयार की जाएगी। इसके बाद सभी ग्राम पंचायतों और क्षेत्र पंचायतों में विशेष रोजगार सप्ताह के दौरान अधिक से अधिक श्रमिकों को काम दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

495 ग्राम पंचायतों में कराए गए काम

सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने बताया कि वीबीजी रामजी में जुलाई माह से अब तक जिले में 475299 मानव दिवस सृजित किए गए हैं। सभी 495 ग्राम पंचायतों में कच्चे काम कराए गए हैं। अब एक से 20 नबंवर तक आगामी दिनों में कराए जाने वाले बेहतर कामों को चिन्हित करने का काम होगा।

जीरो-डे की भरपाई के लिए चलेगा विशेष रोजगार सप्ताह

एक से 20 नवंबर तक रोजगार बंद रहने की अवधि की भरपाई के लिए 23 से 30 नवंबर तक विशेष रोजगार सप्ताह चलाया जाएगा। ग्राम्य विकास आयुक्त प्रमोद कुमार उपाध्याय ने इस संबंध में मथुरा सहित सभी जिलों के जिला कार्यक्रम समन्वयकों को पत्र भेजकर अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। योजना के तहत एक से सात नवंबर के बीच कार्यों का चिन्हांकन कर लोगों को जागरूक किया जाएगा। दो और तीन नवंबर को शासन स्तर पर फील्ड स्तरीय अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं, 21 नवंबर तक कार्यों के एस्टीमेट तैयार कराकर श्रमिकों को काम उपलब्ध कराने के लिए ई-मस्टर रोल जारी कराने की व्यवस्था की जाएगी। श्रम रोजगार उपायुक्त विजय कुमार पांडेय ने बताया कि कार्यक्रम अधिकारियों के साथ जल्द रणनीति तैयार की जाएगी। इसके बाद सभी ग्राम पंचायतों और क्षेत्र पंचायतों में विशेष रोजगार सप्ताह के दौरान अधिक से अधिक श्रमिकों को काम दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

और अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारियों को इसकी जानकारी दे दी गई है। साथ ही, निर्धारित अवधि में ई-मस्टर रोल जारी नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं।

मथुरा की 21 ग्राम पंचायतों में टाइट फंड का दुरुप्रयोग

यूनिक समय, मथुरा। शासनदेश को दर- किनार करके सचिवों ने ग्राम पंचायतों को मिली ग्राम टाइड फंड (बंधित निधि) के मद में मिली धनराशि को दूसरे मद में खर्च कर डाला और मनमाने तरीके से भुगतान कर दिए। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने मामला पकड़ा तो डीपीआरओ ने संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिवों से स्पष्टीकरण मांगा है। ऐसा खेल पकड़ में आने के बाद सचिवों में खलबली मची हुई है।

सरकार की ओर से ग्राम पंचायत में टाइड फंड (बंधित निधि) के मद में तय काम कराने के लिए धनराशि जारी की जाती है।

इस मद में मिली धनराशि का उपयोग केवल तय कार्यों और उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, लेकिन जिले के कई सचिवों ने 15वें वित्त आयोग से मिलने वाली इस धनराशि को दूसरे कामों में उड़ा दिया और चहेतों को भुगतान भी कर दिए गए। डीपीआरओ कार्यालय के अनुसार, टाइड फंड (बंधित निधि) की धनराशि से केवल

सचिवों ने शासनादेश को दर-किनार करके दूसरों मद में खर्च की धनराशि

सीडीओ के निर्देश पर शुरू हुई जांच, डीपीआरओ ने सचिवों से मांगा स्पष्टीकरण

पेयजल, वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण, स्वच्छता और ठोस-तरल अपशिष्ट प्रबंधन के काम कराए जा सकते हैं। वहीं, 21 ग्राम पंचायतों के सचिवों ने शासनादेश को दर- कनिार करके टाइड फंड की धनराशि दूसरे कामों में खर्च कर डाली।

ऐसे मामले पकड़ में आने के बाद सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने ऐसी ग्राम पंचायतों की जानकारी करवाई तो यह 21 निकलीं। अब जिला पंचायत राज विभाग इन ग्राम पंचायतों में खर्च की गई धनराशि का विवरण पता करने में लगा है। डीपीआरओ धनंजय जायसवाल ने बताया कि टाइड फंड का 21 ग्राम पंचायतों में दुरुप्रयोग हुआ है, संबंधित सचिवों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।

इन ग्राम पंचायतों में पकड़ी गई मनमानी

टाइड फंड का दुरुप्रयोग फरह विकास खंड की ग्राम पंचायत झुड़ावई और कौह के अलावा चौमुहां विकास खंड की जावली, बझेरा और पैलखू, छाता विकास खंड की पिसावा, ऐंच और चौडरस, बलदेव विकास खंड से शैदपुर और नगला अकौस के अलावा नौहझील विकास खंड की बाघर्रा, बरौठ, रमंगढ़ी, अहमदपुर और सिधौनी, गोवर्धन विकास खंड की देवसेरस, मडोरा और दौलतपुर, मथुरा विकास खंड की भदाल सुंदर, महररा और बढ़ौता ग्राम पंचायतों में किया गया। इन ग्राम पंचायतों के सचिवों ने शासनादेश का दर-किनार करके टाइड फंड की धनराशि को दूसरी मदों में लगाकर भुगतान भी कर डाला।

यह होता है टाइड फंड

शासनादेश के अनुसार, ग्राम पंचायत को 15वें वित्त आयोग से टाइड फंड के तहत धनराशि मिली है तो इसे केवल गांव में पेयजल व्यवस्था सुधारने, जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन के कामों के अलावा नालियों और स्वच्छता व्यवस्था में सुधार करने और ठोस-तरल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था पर खर्च किया जा सकता है। इस मद की धनराशि का उपयोग सड़क निर्माण, पंचायत भवन या अन्य सामान्य विकास कार्यों में मनमाने ढंग से नहीं किया जा सकता।

नवनीत कुंज कॉलोनी में दीपांसा अग्रवाल चांद का दीदार करते हुए।

नवनीत कुंज कॉलोनी में करवा चौथ पर्व पर पूजा करने के बाद बाद खड़ी सुहागिनें।

हाईवे पर डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाना फरह क्षेत्र के रैपुरा जाट के समीप गुरुवार सुबह बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई।मैनपुरी निवासी अंकित (24) पुत्र ज्ञानचंद सुबह करीब 11 बजे बाइक से मथुरा से आगरा की ओर जा रहा था। रैपुरा जाट के समीप बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे की सूचना पर पहुंची फरह पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने परिजनों को भी दुर्घटना की सूचना दे दी।

चांद पर बादलों का पहरा, सुहागिनों की बढ़ती रही धड़कनें

करवा चौथ पर निर्जला व्रत रख पति की लंबी उम्र मांगी

घर-मंदिरों में हुई पूजा, चंद्र दर्शन को आसमान पर टिकी निगाहें

यूनिक समय, मथुरा। आसमान में चांद बादलों की ओट में छिपा रहा और धरा पर सुहागिनों की बेचैनी बढ़ती रही। करवा चौथ पर गुरुवार को पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य की कामना लेकर महिलाओं ने निर्जला व्रत रखा। दिनभर पूजन और तैयारियों के बाद शाम ढलते ही निगाहें आसमान

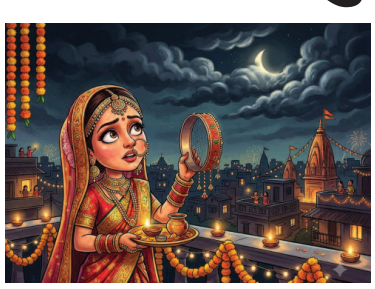

पर टिक गईं। बादलों की आवाजाही ने चंद्र दर्शन की प्रतीक्षा को और लंबा कर दिया।

सुबह से ही आसमान में छाए बादलों ने महिलाओं की चिंता बढ़ाए रखी। दोपहर में आसमान कुछ साफ हुआ तो चांद निकलने की उम्मीद जगी, लेकिन बादलों ने फिर डेरा जमा लिया। शाम होते-होते चंद्र दर्शन को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। व्रती महिलाएं बार-बार आसमान निहारती रहीं। चांद की एक झलक पाने की आस में हर पल भारी पड़ता नजर आया।

सुहागिन महिलाओं की बढ़ गई चिंता

आसमान पर बादलों के लंगर डालने से सबसे ज्यादा परेशान सुहागिन महिलाएं होती रही। सुहाग सलामती को व्रत रखने वाली महिलाएं करवा चौथ पर ऐसे मौसम को कोसती सुनी गई। महिलाओं का कहना था कि अक्सर करवा चौथ पर ऐसी समस्या होती है।

उधर, घरों और मंदिरों में करवा चौथ की रौनक छाई रही। सोलह शृंगार कर महिलाओं ने विधि-विधान से पूजन किया और करवा चौथ की कथा सुनी। माता पार्वती से अखंड सौभाग्य, पति की लंबी उम्र और परिवार की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक पूजा कर पर्व की परंपराओं का निर्वहन किया। दिनभर निर्जला व्रत रखने वाली महिलाओं को अब चंद्र दर्शन और अर्घ्य का इंतजार था। परंपरा के अनुसार, चांद को अर्घ्य देकर पति के हाथों जल ग्रहण करने के बाद व्रत खोलना था। ऐसे में आसमान पर छाए बादल सुहागिनों की प्रतीक्षा को और बेचैन करते रहे। चांद के दीदार के साथ व्रत पूरा करने की आस हर चेहरे पर नजर आई।

अंदर के पेजों की प्रमुख खबरें

चांद के दीदार को बेताब रहीं सुहागिनें, मोबाइल ने मिटाई दूरियां
पेज-04 पर

रुक्मिणी विहार के फ्लैट जर्जर, हादसे को न्योता दे रहीं टूटी बालकनियां
पेज-12 पर

दशकभर की चेतावनी बेअसर विकास मार्केट पर हादसे का पहरा

विकास बाजार में दूसरी मंजिल पर जाने वाली दुकानों की क्षतिग्रस्त सीढ़ियां।

विकास बाजार के दो भवनों को जोड़ने को बनाया स्लैब, जो अब क्षतिग्रस्त है।

विकास मार्केट पर मंडरा रहा हादसे का खतरा, कब जागेंगे जिम्मेदार

टूटता प्लास्टर, जर्जर खंभे और क्षतिग्रस्त सीढ़ियां दे रहीं बड़े हादसे को न्योता

विकास बाजार में गिरासू दीवार।

यूनिक समय, मथुरा। शहर के बीचोंबीच स्थित विकास मार्केट की जर्जर इमारत किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही है। कहीं दीवारों से प्लास्टर उखड़ रहा है तो कहीं सीमेंट के टुकड़े टूटकर गिर रहे हैं। कमजोर खंभे और क्षतिग्रस्त सीढ़ियां खतरे की घंटी बजा रही हैं, लेकिन स्थायी मरम्मत अब तक नहीं हो सकी है। पुराने बस अड्डे से होली गेट की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित इस बाजार में रोजाना दुकानदारों, ग्राहकों और राहगीरों की आवाजाही रहती है। ऐसे में इमारत का कोई हिस्सा गिरा तो जान–माल का नुकसान हो सकता है। विडंबना यह है कि करीब एक दशक पहले भी इसकी जर्जर हालत को लेकर सर्वे हुआ था, लेकिन हालात नहीं सुधरे।

विकास मार्केट की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ रही है। कई दुकानों के बाहर और दीवारों पर लगा प्लास्टर टूट चुका है। कुछ दुकानदारों ने अपने स्तर पर मरम्मत कराई है, लेकिन अन्य हिस्सों में जर्जर ढांचा अब भी चिंता बढ़ा रहा है। महिला अस्पताल की ओर खुलने वाले प्रवेश द्वार के ऊपर से भी सीमेंट टूटकर गिर रहा है। यहां से गुजरने वाले लोगों के सिर पर मलबा गिरने का खतरा बना हुआ है। बाजार का एक खंभा भी कमजोर हालत में है, जबकि ऊपरी मंजिल पर जाने वाली सीढ़ियों के आसपास का ढांचा जगह-जगह क्षतिग्रस्त है। सवाल है कि खतरे के इन संकेतों के बावजूद सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए गए।

दस साल पहले हुआ था सर्वे अब शासन की मंजूरी का इंतजार

करीब दस वर्ष पहले अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की टीम ने विकास मार्केट का सर्वे किया था। बताया जाता है कि उस दौरान कुछ हिस्सों को खाली कराने की सलाह दी गई थी। इसके बावजूद व्यापक मरम्मत नहीं हो सकी। बाजार की कुछ दुकानें नगर निगम और कुछ मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के स्वामित्व में हैं। दो विभागों के स्वामित्व के बीच मरम्मत की जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठते रहे हैं। एमवीडीए के सचिव आशीष कुमार सिंह ने बताया कि विकास मार्केट में कोई विवाद नहीं है। कुछ दुकानें नगर निगम की थीं, जबकि कुछ प्राधिकरण के स्वामित्व में हैं। मार्केट का सर्वे कराया जा रहा है और निर्माण कार्य की लागत का आकलन लगभग तैयार है। प्रस्ताव शासन को भेजने की प्रक्रिया चल रही है। शासन से स्वीकृति मिलने के बाद निर्धारित योजना के अनुसार कार्य कराया जाएगा।

दिवाली से पहले महंगाई का तड़का, चीनी–चना महंगे

लालागंज स्थित दाल की दुकान पर खरीदारी करते ग्राहक।

चीनी के थोक भाव 60 से बढ़कर 62 रुपये किलो पहुंचे

काला चना 70 से 90 रुपये किलो, दालों पर भी महंगाई की मार

यूनिक समय, मथुरा। दिवाली से पहले खाद्य पदार्थों के बढ़ते दाम ने रसोई का बजट बिगाड़ना शुरू कर दिया है। चीनी, दालों और चने की कीमतों में तेजी से त्योहार की खरीदारी महंगी पड़ रही है। थोक बाजार में चीनी के भाव 60 से बढ़कर 62 रुपये प्रति किलो हो गए हैं, जबकि देशी काला चना 70 से उछलकर 90 रुपये किलो तक पहुंच गया है। दालों के भाव भी उपभोक्ताओं की जेब पर भारी पड़ रहे हैं। बाजार में अरहर दाल 140 रुपये, मूंग धुली 120 रुपये, मूंग छिलका 110 रुपये, चना दाल 100 रुपये और मसूर दाल 80 रुपये प्रति किलो बिक रही है। सफेद छोले के दाम भी 120 रुपये किलो तक पहुंच गए हैं। बाजार में कई खाद्य पदार्थों की कीमतों में करीब 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी बताई जा रही है।

चीनी की बढ़ती कीमत से मिठाई भी होगी महंगी

दिवाली पर मिठाइयों और पकवानों की मांग बढ़ने से चीनी की खपत भी बढ़ जाती है। ऐसे में थोक भाव में दो रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी से खुदरा बाजार में भी कीमतें करीब 65 रुपये पहुंच गई हैं। त्योहार के दौरान घरेलू खरीदारी का खर्च पहले ही बढ़ जाता है। ऐसे में चीनी, दाल और चने के महंगे होने से आम परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उपभोक्ताओं को अब त्योहार के दौरान कीमतों में और उछाल की चिंता सता रही है।

हड़ताल से थमा संचारी अभियान,अब घर–घर दस्तक

यूनिक समय, मथुरा। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की हड़ताल से प्रभावित संचारी रोग नियंत्रण अभियान ने फिर रफ्तार पकड़ ली है। आंदोलन खत्म होते ही कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर लोगों को साफ-सफाई, मच्छरों से बचाव और बीमारी के लक्षणों के प्रति जागरूक कर रही हैं। प्रभावित गतिविधियां पूरी करने के लिए अभियान की अवधि 15 नवंबर तक बढ़ा दी गई है।

कार्यकर्ता लोगों को घरों के आसपास पानी जमा न होने देने, स्वच्छता बनाए रखने और बुखार सहित बीमारी के लक्षण दिखने पर तत्काल उपचार कराने की सलाह दे रही हैं। हड़ताल के कारण जागरूकता गतिविधियां धीमी पड़ गई थीं। जिला मलेरिया अधिकारी चंद्रप्रकाश मिश्रा ने बताया कि आंदोलन समाप्त होने के बाद कार्यकर्ताओं ने दोबारा जिम्मेदारी संभाल ली है। अभियान के शेष कार्य पूरे कराने के लिए इसकी समयसीमा 15 नवंबर तक निर्धारित की गई है।

15 नवंबर तक बढ़ी मियाद, बीमारियों से बचाव का संदेश दे रहीं कार्यकर्ता

बूंदाबांदी और बादलों ने धरा पर फिर बढ़ा दी चिंता

गुरुवार सुबह आसमान में छाए बादल।

यूनिक समय, मथुरा। बंगाल की खाड़ी से उठे अर्नब चक्रवात ने हर ओर चिंता व्याप्त कर दी। गुरुवार को आसमान पर बादल और बूंदाबांदी से व्यापारी सहम गए तो किसानों के माथे पर बल पड़ गए। मौसम के ऐसे हाल से बाजार में खलबली मचती रही, जबकि किसानों ने आलू रोपाई और सरसों बोआई का काम रोक दिया। अब किसानों को पिछैती धान फसल की चिंता सता रही है।

मौसम विभाग ने चार दिन पूर्व अर्नब चक्रवात आने के दौरान जिले में 29 अक्टूबर को मौसम खराब होने का पूर्वानुमान जारी किया था। आज सुबह से ही आसमान पर बादलों के डेरा जमाने से यह पूर्वानुमान सही निकला। सुबह बादलों के बने रहने से सूरज नजर नहीं आए, मौसम गर्म होने से लोगों को बूंदाबांदी की संभावना दिखने लगी।

सुबह 11 बजे के बाद अचानक आसमान में छाए बादल और गहराए गए तो औरंगागाद और टाउनशिप के आसपास तेज बूंदाबांदी हो गई। शहर और जिले के अन्य हिस्सों में भी हल्की बूंदाबांदी हो गई। ऐसे मौसम की वजह से अधिकतम तापमान में बदलाव आया है। यह तीन डिग्री कम होकर 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि न्यूनतम तापमान कम होकर 21 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। वैसे, आज के लिए मौसम विभाग ने जनपद से जुड़ा मौसम का यलो अलर्ट जारी किया था। वैसे, सुबह से शाम तक आसमान पर बादलों के जमने से धूप नहीं निकली।

गुरुवार सुबह अचानक बूंदाबांदी होने से कारोबारियों में मची खलबली

आलू रोपाई और सरसों बोआई का काम थमा किसान हो गए परेशान

कल भी खराब बना रह सकता है मौसम

मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, शुक्रवार को भी मौसम खराब बना रह सकता है। दिन में एक- दो बार गरज के साथ एक- दो बार बूंदाबांदी हो सकती है, बौछार पड़ सकती है। ऐसे में किसान मौसम का हाल देखकर खेती से जुड़ा काम करें। वहीं, मौसम के ऐसे हाल से एक- दो दिन पहले आलू रोपाई और सरसों बोआई करने वाले किसान परेशान होते रहे।

बाजारों में मचती रही भगदड़

गुरुवार दोपहर अचानक बूंदाबांदी होने से बाजारों में भगदड़ मचती रही। खुले में दुकान सजाकर चीनी के करवे और कलेड़र आदि सामान बेचने वाले परेशान होते रहे। औरंगाबाद में अचानक तेज बूंदाबांदी से चीनी से बने करवे खराब हो गए। कुछ दुकानदारों ने करवों पर पालीथिन लगाकर बचाया। त्योहार पर ऐसे मौसम से दुकानदार परेशान होते रहे।

जलसेवा को जलपुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे का सम्मान

81 पानी की टंकियों और 35 टैंकरों से उपलब्ध करा रहे पेयजल

पानी की आपूर्ति बाधित होने पर फोन से मिलती है निशुल्क सेवा

यूनिक समय, मथुरा। समाजसेवी-जलपुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे द्वारा जनहित में किए जा रहे जलसेवा कार्यों की जनप्रतिनिधियों ने सराहना की है। नगर निगम मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में लोगों तक पेयजल पहुंचाने के साथ-साथ जरूरतमंदों की सहायता करने के लिए उन्हें प्रशंसा पत्र देकर उनके सेवा कार्यों की सराहना की गई है। वार्ड 36 के पार्षद राकेश भाटिया ने प्रशंसा पत्र में कहा कि प्रमोद गर्ग कसेरे 81 पानी की टंकियों और 35 पानी के टैंकरों के माध्यम से आमजन को जल उपलब्ध कराने में सहयोग कर रहे हैं। विभिन्न स्थानों पर प्याऊ लगवाकर लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जाता है। बाढ़ पीढ़ितों की सहायता के लिए भी वह समय–समय पर आगे आते हैं।

प्रशंसा पत्र के अनुसार, नगर निगम क्षेत्र के किसी भी वार्ड में पानी की आपूर्ति बाधित होने पर एक फोन पर चौबीस घंटे निशुल्क पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाती है। भीषण गर्मी में यह सेवा लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित होती है। वार्ड पांच के पार्षद हनुमान सिंह ने भी प्रमोद गर्ग कसेरे के जलसेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें साधुवाद दिया। जनप्रतिनिधियों ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए आशा जताई कि वह भविष्य में भी इसी तरह जनसेवा करते रहेंगे।

त्योहार से पहले मिठाई-दूध की दुकानों पर छापे, 12 नमूने भरे

यूनिक समय, मथुरा। त्योहारों पर मिलावटखोरी रोकने और श्रद्धालुओं को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले में छापामार कार्रवाई की। खाद्य सचल दल ने विभिन्न क्षेत्रों में दूध, पनीर, मिठाई और नमकीन के कुल 12 नमूने संग्रहित कर जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे हैं। रिपोर्ट मिलने के बाद संबंधित कारोबारियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, डीएम के आदेश पर सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी केके त्रिपाठी के नेतृत्व में अभियान चलाया गया।

गुरुवार को खाद्य पदार्थों के नमूने भरते खाद्य सुरक्षा अधिकारी।

बाजना स्थित नैना डेयरी से दूध, बांके बिहारी डेयरी से पनीर, सुभाष डेयरी से दूध और पनीर के नमूने लिए गए।

बर्फी, पनीर, खोआ और नमकीन की गुणवत्ता जांच के लिए भेजे

मांट रोड, राया स्थित गंगा स्वीट सेंटर से बर्फी और बांके बिहारी स्वीट सेंटर से मलाई लड्डू का नमूना लिया गया। राधाकुंड, गोवर्धन से बर्फी, कृष्णानगर स्थित मोहन मिष्ठान भंडार से खोआ, डोडा बर्फी और खोआ बर्फी के नमूने संग्रहित किए गए। टाउनशिप से पेड़ा और होलीगेट स्थित कन्हैया लाल नमकीन वाले से नमकीन का नमूना लिया गया। अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र सिंह, मोहर सिंह कुशवाह, रीना शर्मा, अरुण कुमार, नेहा और दिनेश कुमार भारती शामिल रहे। विभाग के अनुसार, नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर दो बसों और कैंटर भिड़े, कई यात्री घायल

माइलस्टोन 101 पर हुआ हादसा, कांच से भरा कैंटर पलटा, घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेसवे पर गुरुवार तड़के माइलस्टोन 101 पर नोएडा से आगरा की ओर जाने वाली सड़क पर दो बसों और कांच से भरे कैंटर की भिड़ंत हो गई। हादसे में कई यात्री घायल हो गए। टक्कर के बाद कांच से भरा आयशर कैंटर सड़क पर पलट गया।

एक्सप्रेस-वे पर हादसे के बाद क्षतिग्रस्त वाहन।

यमुना एक्सप्रेस वे पर हुए हादसे के बाद मांट थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बताया कि कांच से भरा आयशर कैंटर आगरा की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही विश्वनाथ ट्रैवल्स की बस ने ओवरटेक करते समय कैंटर में पीछे से टक्कर मार दी। इसके बाद पीछे से आ रही ट्रैवल पॉइंट की दूसरी बस भी कैंटर से टकरा गई। दुर्घटना में बस में सवार सवारियों में चांदनी, आमिर, आजाद, वसीम और अजर बानो समेत कई यात्री घायल हो गए। मांट पुलिस टीम ने यमुना एक्सप्रेस वे की एंबुलेंस और सरकारी एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल भिजवाया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जेपी क्रेन की सहायता से सड़क से हटवाया गया। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने के बाद एक्सप्रेसवे पर यातायात सुचारु करा दिया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी आधार से सिम खरीदकर ठगी करने वाला साइबर अपराधी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड के जरिए सिम खरीदकर साइबर ठगी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन और दो फर्जी आधार कार्ड बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टीम ने देवसेरस रजवाह की पुलिया से मड़ोरा जाने वाले कच्चे रास्ते से शाहरुख निवासी देवसेरस को गिरफ्तार किया। आरोप है कि वह अपनी फोटो लगाकर फर्जी आधार कार्ड तैयार करता था और इनके जरिए सिम कार्ड खरीदता था। इसके बाद अपनी पहचान छिपाकर फोन कॉल, लिंक और ओटीपी के माध्यम से लोगों को झांसे में लेकर उनके खातों से रकम अपने खातों में स्थानांतरित कराता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन और दो फर्जी आधार कार्ड बरामद किए हैं। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दो मोबाइल और दो फर्जी आधार कार्ड बरामद लिंक-ओटीपी से लोगों को बनाता था निशाना

नींद की झपकी से टाटा मैजिक कंटेनर में घुसी, चालक घायल

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेसवे पर गुरुवार तड़के नींद की झपकी आने से टाटा मैजिक आगे चल रहे कंटेनर में जा घुसा। जिससे टाटा मैजिक चालक घायल हो गया। घायल चालक को एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए नोएडा भिजवाया गया।

गुरुवार सुबह करीब 4.30 बजे यमुना एक्सप्रेसवे पर नोएडा से आगरा की ओर माइलस्टोन संख्या 75 के पास यह हादसा हुआ। टाटा मैजिक चालक धर्मेंद्र कुमार पुत्र प्रमोद कुमार निवासी सहसपुर सिरसा टीपू, जनपद एटा को गाड़ी चलाने के दौरान अचानक नींद की झपकी आ गई। इससे वाहन अनियंत्रित होकर आगे चल रहे कंटेनर में जा घुसा। हादसे में चालक घायल हो गया। सूचना मिलने पर बाजना कट मोबाइल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल चालक को एंबुलेंस से उपचार के लिए नोएडा भेजा। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से हटवाकर यार्ड में खड़ा करा दिया।

नींद की झपकी आने से माइलस्टोन 75 पर हुआ हादसा

सहकारी समितियों को मिली 2730 टन डीएपी-एनपीकेएस की रैक

यूनिक समय, मथुरा। जिले में खाद की उपलब्धता बढ़ाने के लिए गुरुवार को डीएपी और एनपीकेएस उर्वरक की 2730.900 मीट्रिक टन की रैक पहुंची। इसे किसानों की मांग के अनुसार 83 उर्वरक बिक्री केंद्रों और सहकारी समितियों को सीधे रैक प्वाइंट से भेजा जा रहा है।

83 बिक्री केंद्रों पर भेजी जा रही खाद, पिछले साल से 3000 टन अधिक डीएपी वितरित

सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता अभिषेक कुमार मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष अब तक पिछले साल की तुलना में 3000 मीट्रिक टन से अधिक डीएपी का वितरण किसानों को किया जा चुका है।

पीसीएफ के बफर गोदाम में वर्तमान में 10,983 मीट्रिक टन यूरिया और 1,414 मीट्रिक टन फॉस्फेटिक उर्वरक उपलब्ध है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर नियमित रूप से प्रत्येक सप्ताह और जरूरत के अनुसार खाद का आवंटन किया जा रहा है। विभाग के अनुसार जिले में पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध है। किसानों से पात्रता और निर्धारित संस्तुत मात्रा के अनुसार खाद प्राप्त करने की अपील की गई है।

ट्रक की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त, चालक पर मुकदमा

यूनिक समय, वृंदावन। परिक्रमा मार्ग पर कार में ट्रक की टक्कर लगने के मामले में पुलिस ने चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। विपिन कुमार के अनुसार, 28 अक्टूबर की दोपहर वह कार से जा रहे थे। इसी दौरान अनुज पंडित द्वारा चलाए जा रहे ट्रक ने उनकी कार में टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार में टक्कर के बाद मारपीट मोबाइल छीनने का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के गोवर्धन चौराहे के पास कार में टक्कर के बाद मारपीट, तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। वृंदावन नगर निवासी वेद प्रकाश अग्रवाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 28 अक्टूबर की शाम वह चालक सौरभ शर्मा के साथ कार से जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आई एक कार ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी।

आरोप है कि इसके बाद दूसरी कार में सवार लोगों ने चालक सौरभ के साथ मारपीट की। आरोपियों ने उन्हें कार से खींचकर बाहर निकाला, मारपीट की और मोबाइल फोन छीन लिया। कार के शीशे तोड़ने, बीच-बचाव करने आए लोगों के साथ भी मारपीट करने का आरोप है। शिकायत में पप्पू, भूरी सिंह निवासी हाईवे और 25 से 30 अज्ञात लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

चांद के दीदार को बेताब रहीं सुहागिनें, मोबाइल ने मिटाई दूरियां

यूनिक समय,मथुरा। कान्हा की नगरी में करवा चौथ पर प्रेम, आस्था और समर्पण का अनूठा संगम देखने को मिला। सुहागिनों ने दिनभर निर्जला उपवास रखकर पति की सलामती की दुआ मांगी। शाम ढलते ही पूजा की थालियां सज गईं और निगाहें आसमान में चांद को तलाशने लगीं। वहीं, घर से दूर रह रहे पतियों के लिए मोबाइल ही मिलन का जरिया बना, जिसके सहारे महिलाओं ने व्रत की रस्में पूरी कीं।

करवा चौथ पर्व पर गुरुवार को शहर से लेकर गांवों तक सुहागिनों के चेहरे पर उत्साह और उमंग की चमक दिखाई दी। लाल, गुलाबी और सुर्ख रंगों के पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने सोलह शृंगार कर त्योहार की रौनक में चार चांद लगा दिए। हाथों में मेहंदी, माथे पर बिंदिया, मांग में सिंदूर और खनकती चूड़ियों के बीच हर महिला अपने सुहाग की सलामती के लिए प्रार्थना करती नजर आई। सुबह से निर्जला व्रत रखने के बाद शाम होते ही

कृष्णा नगर के राधा नगर में करवा चौथ पर्व पर पूजा करती महिलाएं।

घरों में पूजन की तैयारियां शुरू हो गईं। मिट्टी के करवे, गौरी-गणेश की प्रतिमाएं, दीपक और पूजन सामग्री सजाकर विधि-विधान से आराधना की गई। महिलाओं ने परंपरागत कथा सुनी और अखंड सुहाग के साथ पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

करवा चौथ पर उन महिलाओं के लिए मोबाइल किसी सौगात से कम नहीं रहा, जिनके पति नौकरी या कारोबार के सिलसिले में दूसरे शहरों में रह रहे हैं। वीडियो कॉल पर जीवनसाथी का चेहरा देखकर उन्होंने व्रत की रस्में निभाईं। तकनीक ने दूरी तो पूरी तरह नहीं मिटाई, लेकिन इस खास मौके पर अपनों के करीब होने का एहसास जरूर कराया। सूरज ढलते ही छतों और आंगनों में चहल-पहल बढ़ गई। हाथों में सजी पूजा की थाली और छलनी लिए महिलाएं चंद्रमा के निकलने की राह निहारती रहीं। चांद के दर्शन, अर्घ्य अर्पित करने और पति का चेहरा देखने के बाद व्रत खोलने की रस्म पूरी हुई।

स्वामी हरिदास जी के पद गायन से भक्तिरस में डूबा वृंदावन

यूनिक समय, वृंदावन। गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी परिसर स्थित स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह में स्वामी हरिदास जी के पदों के भव्य गायन का आयोजन किया गया। संतों, भजन गायकों और गुरुकुल के बटुकों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वामी हरिदास जी की समृद्ध पदगायन परंपरा और ब्रज की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी श्री हरिदास पीठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर राधा प्रसाद देव जू महाराज ने की। उन्होंने स्वामी हरिदास जी का पद 'अति भली भई नित्य ललिता जू प्रगटी, भाग्य हमारे जागेरी' प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही स्वामी हरिदास जी के जीवन और उनकी भक्ति परंपरा पर प्रकाश डाला।

भजन सम्राट विष्णु बावरा ने 'लड़ेंहती अब तो विलंब न की जाए' और प्रिया शरण महाराज ने 'येरी मैरो वृंदावन सुख धाम' पद का भावपूर्ण गायन किया। इनके अलावा मोहिनी बिहारी शरण महाराज, अनमोल महाराज, महामंडलेश्वर चंद्रमा दास महाराज, बलराम आचार्य महाराज, कथा वाचक एवं भजन गायिका मोहिनी कृष्ण दासी, शिवम दास और संत पंडित धर्मवीर सहित अन्य कलाकारों ने स्वामी हरिदास जी के पदों की प्रस्तुति दी।

कैलाश नगर स्थित अनमोल गुरुकुलम के बटुकों ने संस्थापक अनमोल महाराज के सानिध्य में कार्यक्रम में सहभागिता की। संतों की उपस्थिति में बटुकों ने ब्रज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। भजन प्रस्तुतियों के दौरान पूरा प्रेक्षागृह भक्तिमय वातावरण से भर उठा।

कार्यक्रम में संगीत की संगत गीता शोध संस्थान के संगीत प्रशिक्षक आकाश शर्मा, सुनील पाठक, मनमोहन कौशिक, रितु सिंह और मानसो राजपूत ने की। समापन पर ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डॉ. उमेश चंद्र शर्मा, दूधनाथ और अकादमी के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने संतों एवं भजन गायकों को पटुका पहनाकर सम्मानित किया। आयोजन ने स्वामी हरिदास जी की पदगायन परंपरा के प्रति श्रद्धा और ब्रज की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश दिया।

सिपाही की पत्नी की संदिग्ध मौत,मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र की बालाजीपुरम कॉलोनी में सिपाही की पत्नी मौना की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव फंदे पर लटका मिला। मायके पक्ष ने दहेज में महंगी कार की मांग और पति के दूसरी महिला से संबंधों का आरोप लगाते हुए हत्या की आशंका जताई है।

मृतका के भाई नमन के अनुसार, मौना की शादी चार वर्ष पहले अर्जुन सिंह से हुई थी। आरोप है कि क्रेटा कार देने के बावजूद पति महंगी गाड़ी की मांग करता था और मौना के साथ मारपीट करता था। नमन ने बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले अर्जुन मौना को बच्चों सहित हाईवे पर छोड़ गया था। 27 अक्टूबर को सास उसे ससुराल ले गई। अगले दिन देवर ने फोन पर मौना की मौत की सूचना दी। मायके पक्ष ने थाना हाईवे में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

देशी शराब के 17 पाउच के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। रिफाइनरी पुलिस ने काशीराम कॉलोनी जाने वाले रास्ते के समीप से एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से देशी शराब के 17 पाउच बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अरुन पुत्र भूदेव निवासी ब्लॉक नंबर 48, काशीराम कॉलोनी है। उसके खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अपहरण और हत्या के मामले में वांछित गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। यमुनापार पुलिस ने अपहरण और हत्या के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी गांव सिहारा निवासी कृष्ण कुमार है। पुलिस के अनुसार, कृष्ण कुमार गांव से एक युवक का अपहरण कर उसकी हत्या करने के मामले में वांछित चल रहा था। सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे यमुना एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन संख्या 106 के समीप, पानीगांव के पास अल्लहपुर अंडरपास की सर्विस रोड से गिरफ्तार किया।

जीएलए में डेवियाथॉन 2.0 का आगाज, 48 घंटे में समाधान विकसित करेंगे देशभर के युवा टेक्नोक्रेट

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा में राष्ट्रीय स्तर के हैकाथॉन डेवियाथॉन 2.0 का भव्य शुभारंभ हुआ। 31 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 48 घंटे के ऑफलाइन हैकाथॉन में देशभर से आए युवा टेक्नोक्रेट वास्तविक समस्याओं पर आधारित प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स के समाधान विकसित करेंगे। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग करने, नवाचार को बढ़ावा देने और उद्योग की चुनौतियों के अनुरूप प्रभावी समाधान तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

जीएलए विश्वविद्यालय में डेवियाथॉन 2.0 में मुख्य अतिथि के साथ विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण एवं छात्र-छात्राएं।

उद्घाटन समारोह में मेरिडियन के सीईओ शंकर कम्बम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज के दौर में तकनीकी ज्ञान के साथ समस्याओं को समझने और उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करने की क्षमता बेहद महत्वपूर्ण है। हैकाथॉन युवाओं को अपने विचारों को वास्तविक प्रोटोटाइप में बदलने और टीमवर्क के साथ नई संभावनाएं तलाशने का अवसर प्रदान करते हैं। विद्यार्थियों को इस मंच का उपयोग सीखने, प्रयोग करने और नवाचार के माध्यम से समाज एवं उद्योग की चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए करना चाहिए।

उद्योग जगत से एक्सेंचर के एआई लीड-क्लाउड आर्किटेक्ट सत्यम मिश्रा, मेरिडियन के एसोसिएट प्रोजेक्ट इंजीनियर (एआई) उदय गुप्ता और वनबैंक के प्रोडक्ट डिजाइनर किसलय चौहान ने सहभागिता की। इसके अतिरिक्त, क्लिमा, सर्वपूजा और वेबपी के संस्थापक प्रभजोत सिद्धू की उपस्थिति ने विद्यार्थियों को उद्यमिता-तकनीकी नवाचार के विविध आयामों से जुड़ने का अवसर प्रदान किया।

डेवियाथॉन 2.0 के अंतर्गत प्रतिभागी अगले 48 घंटों तक अपनी टीमों के साथ कोडिंग, विचार-विमर्श और प्रोटोटाइप निर्माण में जुटेंगे। वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सामाजिक प्रभाव, राष्ट्रीय आवश्यकताओं और भविष्य की डिजिटल तकनीकों से जुड़े विभिन्न प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स पर काम करते हुए व्यावहारिक-प्रभावी समाधान विकसित करेंगे। प्रतियोगिता में पांच लाख रुपये से अधिक का प्राइज पूल रखा गया है। इसके अतिरिक्त, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को इंटर्नशिप और प्री-प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) प्राप्त करने के अवसर भी मिलेंगे।

डेवियाथॉन 2.0 विद्यार्थियों को अपनी तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और टीमवर्क का प्रदर्शन करने के साथ-साथ नए विचारों को वास्तविक समाधानों में बदलने का मंच प्रदान कर रहा है। आगामी 48 घंटों में विकसित होने वाले तकनीकी समाधान और प्रतिभागियों का प्रदर्शन इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन के प्रमुख आकर्षण होंगे।

इस अवसर पर चांसलर के सलाहकार डा. प्रमोद जोशी, भारत सरकार के विज्ञान-प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रोजेक्ट मैनेजर डॉ. विष्णु दत्त शर्मा सहित कंप्यूटर इंजीनियरिंग एंड एप्लीकेशंस (सीईए) के विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप राठौर, कंप्यूटर एप्लीकेशंस के विभागाध्यक्ष डॉ. रोहित अग्रवाल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग के विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव बाथला सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

परीक्षार्थियों के लिए जंक्शन से चलेंगी तीन स्पेशल ट्रेन

पीईटी परीक्षा के द्वितीय चरण में सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

यूनिक समय, मथुरा। जिले में शुक्रवार को द्वितीय चरण की पेट परीक्षा को लेकर रेलवे ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए तीन स्पेशल ट्रेनों का संचान किया जाएगा।

स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ की परीक्षा के द्वितीय चरण के लिए आने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए जंक्शन रेलवे स्टेशन से लखनऊ जंक्शन के लिए शुक्रवार की दोपहर दो बजे और शाम सात बजे दो स्पेशल ट्रेन चलाई जाएंगी। मथुरा जंक्शन से बांदा के लिए शाम सात बजे एक ट्रेन का संचालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेरठ के लिए दो ट्रेनों का संचालन किया जाएगा, जो अपरान्ह तीन बजे मथुरा जंक्शन पहुंचेंगी। जिससे नोएडा और मेरठ जाने वाले परिक्षार्थियों को लाभ होगा। परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसके लिए प्लेटफार्म संख्या एक पर हैल्पिंग बूथ स्थापित किया गया है। परीक्षार्थियों के आराम के लिए मुख्य एंट्री के सर्कुलेटिंग एरिया में होल्डिंग एरिया बनाया गया है। भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त मात्रा में जीआरपी और आरपीएफ के जवानों को लगाया गया है।

बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर ट्रेन की विस्तार अवधि बढ़ाई

यूनिक समय, मथुरा। पूर्वोत्तर रेलवे ने दीपावली और छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए बड़ा तोहफा देते हुए बांद्रा टर्मिनस- गोरखपुर की संचालन अवधि को विस्तार दिया है।

बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर विशेष ट्रेन गोरखपुर से एक और 8 नवंबर को संचालित होगी। वहीं बांद्रा टर्मिनस से इस ट्रेन का संचालन 2 और 9 नवंबर को होगा। इसका सीधा लाभ दीपावली और छठ पर्व पर यात्रा करने वाले यात्रियों को होगा।

पीईटी परीक्षा को लेकर कल इंटर कॉलेज बंद, रोडवेज ने बढ़ाईं 20 बसें

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के द्वितीय चरण को देखते हुए शुक्रवार को जिले के सभी इंटर कॉलेज बंद रहेंगे। वहीं, परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए रोडवेज ने भी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा के दौरान यात्रियों की भीड़ को देखते हुए करीब 20 अतिरिक्त बसें बढ़ाई गई हैं। जरूरत के अनुसार बसों की संख्या और बढ़ाई जा सकती है।

जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि परीक्षा के द्वितीय चरण में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी इंटर कॉलेज बंद रखने का निर्णय लिया गया है। वहीं, रोडवेज

परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए लोकल रूटों पर भी बढ़ाए गए बसों के फेरे

के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक विवेक कुमार अहिरवार ने बताया कि परीक्षार्थियों को आवागमन में परेशानी न हो, इसके लिए करीब 20 अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की गई है। जिस मार्ग पर परीक्षार्थियों की संख्या अधिक होगी, उस रूट पर ज्यादा बसें लगाई जाएंगी। इसके अलावा स्थानीय मार्गों पर बसों के फेरे भी बढ़ाए गए हैं। यात्रियों की संख्या बढ़ने पर जरूरत के अनुसार अतिरिक्त बसें भी संचालित की जाएंगी।

हैल्पडेस्क पर रात और दिन के लिए डीसीआई, एएमई की ड्यूटी लगाई गई है।

रेलवे चिकित्सक के साथ एम्बुलेंस की सुविधा भी जंक्शन पर रहेगी। आरपीएफ थाना प्रभारी निरीक्षक यूके कौशिक ने बताया कि परीक्षार्थियों को सुरक्षित ट्रेन में सवार कराने और भीड़ नियंत्रण के लिए आरपीएफ जवानों के साथ साथ आरपीएसएफ के जवानों को भी लगाया गया है। परीक्षार्थियों को पटरीपार नहीं करने दी जाएगी। लाउड हैलर से भीड़ को लगातार सचेत किया जाएगा।

परिषदीय विद्यालयों की खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दमखम

विजेता खिलाड़ी को स्वर्ण पदक देते गोवर्धन दास गुप्ता और ब्लॉक प्रतिनिधि रनवीर सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। विकास खंड राया के गोपाल बाग मैदान में आयोजित परिषदीय विद्यालयों की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने दमखम दिखाया। दस न्याय पंचायतों की विजेता टीमों के बीच हुई स्पर्धाओं में अनौड़ा न्याय पंचायत ने चैंपियन ट्रॉफी जीती। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

प्रतियोगिता का शुभारंभ राया नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल और ब्लॉक प्रतिनिधि रनवीर सिंह ने मां शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। खेलकूद नोडल प्रभारी राजीव कुमार शर्मा और ब्लॉक व्यायाम शिक्षिका रीना सिंह ने अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। प्राथमिक वर्ग की 400 मीटर बालक दौड़ में नगला गंगा के रामेश्वर और बालिका वर्ग में नगला हरगोविंद की ज्योति ने स्वर्ण पदक जीता। जूनियर वर्ग की 400 मीटर बालक दौड़ में गजू के नितिन और बालिका वर्ग में कंपोजिट विद्यालय कारव की खिलाड़ी प्रथम रहीं। जूनियर बालिका कबड्डी में गजू, बालक वर्ग में मदैम और

अनौड़ा न्याय पंचायत बनी चैंपियन, विजेता खिलाड़ी जिला स्तर पर दिखाएंगे प्रतिभा

भैंसारा की टीमों ने बाजी मारी। प्राथमिक बालक कबड्डी में लोहवन की टीम विजेता रही। प्राथमिक बालिका खो-खो में प्राथमिक विद्यालय विजाहरी और जूनियर वर्ग में गजू की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। गोला फेंक और तश्तरी फेंक में पूर्व माध्यमिक विद्यालय अनौरा के वीरेंद्र ने स्वर्ण पदक जीता। प्रतियोगिता में संजय सिंह, अनुपम शीतल, मनोज कुमार, चंदन सिंह, मकसूदन सिंह, जितेंद्र, गोवर्धन दास गुप्ता, हरिओम गुप्ता, मुरारी लाल शर्मा, अमित शर्मा, पूनम गर्ग, तेजवीर सिंह, दीपक गुप्ता, भगवान सिंह पचौरी, हरीश चौधरी, प्रभुकांत उपाध्याय, सीमा शर्मा, अमित अद्भुत, योगेश शर्मा, रश्मि शर्मा, अर्चना वर्मा, प्रमोद वर्मा, देवेंद्र शर्मा, बिंदु सिंह, विनीत अग्रवाल, ब्रजवीर सिंह भरंगर, सुधीर उपाध्याय, पुष्पेंद्र चौधरी और शिखा गौड़ सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे। संचालन मुकेश अग्रवाल और रिंकेश ने किया।

ब्रज के युवा उद्यमियों को नई उड़ान देगा कोटक बिजलैब्स

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज के युवाओं को नवाचार और उद्यमिता से जोड़ने के लिए 30 अक्टूबर को केडी विश्वविद्यालय के सभागार में राष्ट्रीय कोटक बिज़लैब्स कार्यक्रम आयोजित होगा। आईआईटी दिल्ली और कोटक महिंद्रा बैंक की संयुक्त पहल के तहत होने वाले इस आयोजन में युवा उद्यमियों, स्टार्टअप संस्थापकों, विद्यार्थियों और नवप्रवर्तकों को विशेषज्ञों से संवाद करने, अपने व्यावसायिक विचारों को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू होगा।

यह आयोजन कोटक बिज़लैब्स एक्सेलरेटर प्रोग्राम 2.0 का हिस्सा है, जो बैंक की कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत संचालित है। इसका उद्देश्य छोटे शहरों और कस्बों

की उद्यमशील प्रतिभाओं को मार्गदर्शन देना और स्थानीय समस्याओं के समाधान पर आधारित व्यवसाय विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

'नेटवर्क बनाएं, सीखें और विस्तार करें' की थीम पर आधारित कार्यक्रम में अनुभवी उद्यमियों और विशेषज्ञों से सीधे संवाद होगा। विभिन्न सत्रों में व्यावसायिक विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने, स्थानीय जरूरतों को उद्यम के अवसरों में बदलने, शुरुआती ग्राहकों

30 अक्टूबर को केडी विश्वविद्यालय में जुटेंगे नवप्रवर्तक, स्टार्टअप विशेषज्ञ देंगे मार्गदर्शन

स्थानीय जरूरतों को कारोबारी अवसरों में बदलने पर होगा मंथन

तक पहुंच बनाने और व्यवसाय शुरू करने के दौरान आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी।

प्रतिभागियों को आईआईटी दिल्ली की ओर से स्टार्टअप्स को मिलने वाले सहयोग और कोटक बिजलैब्स एक्सेलरेटर प्रोग्राम की जानकारी भी दी जाएगी। साथ ही, कार्यक्रम से जुड़े एक सफल स्टार्टअप की उद्यम यात्रा साझा की जाएगी, जिससे युवा विचार को व्यावहारिक व्यवसाय में बदलने की प्रक्रिया समझ सकेंगे।

ब्रज क्षेत्र में कृषि, डेयरी, हस्तशिल्प, धार्मिक पर्यटन और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े उद्यमों की व्यापक संभावनाएं हैं। आयोजन के माध्यम से युवाओं और स्थानीय संस्थाओं को इन क्षेत्रों की जरूरतों की पहचान कर उपयोगी उत्पाद-सेवाएं विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

इससे रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में मदद मिल सकती है। आयोजकों ने युवाओं, विद्यार्थियों, नवप्रवर्तकों और स्टार्टअप संस्थापकों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

कोसीकलां में मिलावट का खेल कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति

दीपावली से पहले नकली घी पनीर का कारोबार तेज होने का आरोप, मिठाइयों के जरिए घरों तक पहुंचने का खतरा

क्षेत्रवासियों ने उठाए सवाल मिलावटखोरों के साथ लापरवाह अधिकारियों की भी जांच की मांग

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली की मिठास में मिलावट का जहर घुलने की आशंका ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। कोसीकलां में देसी घी और पनीर के नाम पर मिलावटी खाद्य पदार्थों का कारोबार फलने–फूलने के आरोप लग रहे हैं। क्षेत्रवासियों का दावा है कि मिलावट के ठिकानों और आपूर्ति के नेटवर्क की जानकारी होने के बावजूद खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई छापेमारी और नमूने लेने तक सिमटकर रह जाती है। कुछ दिन की सख्ती के बाद कथित तौर पर कारोबार फिर शुरू हो जाता है।

आरोप हैं कि नकली घी तैयार करने में सस्ते वनस्पति वसा, तेल और कृत्रिम फ्लेवर का इस्तेमाल किया जाता है, जबकि पनीर में भी मिलावट की शिकायतें हैं। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि प्रयोगशाला जांच और आधिकारिक कार्रवाई से ही हो सकती है। लोगों का कहना है कि त्योहार के दौरान मिठाइयों की मांग बढ़ने के साथ मिलावटी खाद्य पदार्थों की आपूर्ति का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में आम उपभोक्ता की सेहत पर संकट मंडरा सकता है।

क्षेत्रवासियों ने सवाल उठाया है कि यदि पूर्व में संदिग्ध प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई हुई थी, तो वहां दोबारा कारोबार शुरू होने की नौबत क्यों आ रही है? क्या विभाग की कार्रवाई का असर केवल कुछ दिनों तक रहता है। लोगों का आरोप है कि शिकायतों और दबाव के बाद छापेमारी कर नमूने तो लिए जाते हैं, लेकिन कारोबार पर स्थायी अंकुश नहीं लग पाता। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि दीपावली से पहले संदिग्ध दुकानों, गोदामों और निर्माण स्थलों की सघन जांच कराई जाए। नमूनों की प्रयोगशाला जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा-मानक अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई हो। नियमों के अनुसार लाइसेंस निलंबित या निरस्त करने और गंभीर मामलों में अभियोजन की कार्रवाई भी की जाए। साथ ही, विभागीय लापरवाही या मिलीभगत के आरोपों की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए, ताकि त्योहार पर लोगों की थाली तक मिलावटी खाद्य पदार्थ पहुंचने से रोके जा सकें।

चूड़ियों की खनक और मेहंदी की महक के बीच पति की दीर्घायु की कामना

करवाचौथ पर सामूहिक पूजा करती सुहागिन महिलाएं

यूनिक समय, कोसीकलां। करवा चौथ पर कोसीकलां में सुहागिनों की आस्था और उल्लास का अनूठा संगम नजर आया। लाल, गुलाबी और महरून परिधानों में सोलह श्रृंगार कर सजी महिलाओं ने चूड़ियों की खनक और मेहंदी की महक के बीच करवा माता का पूजन किया। शाम को सामूहिक रूप से वीरावती की कथा सुनकर पति की लंबी उम्र और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मांग में सिंदूर, माथे पर बिंदी, गले में मंगलसूत्र और हाथों में रची मेहंदी से सजी सुहागिनें पूजा की थाल लेकर कथा सुनने बैठीं। शुभ मुहूर्त में महिलाओं ने गेहूं या चावल के 13 दाने, रोली, अक्षत और पुष्प रखकर पूजन किया। बुजुर्ग महिला ने वीरावती और उसके सात भाइयों की कथा सुनाई तो महिलाएं श्रद्धा से तल्लीन हो गईं। कथा के मार्मिक प्रसंगों ने कई महिलाओं को भावुक कर दिया। कथा के बाद महिलाओं ने एक–दूसरे को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद दिया और करवा माता से पति की दीर्घायु की प्रार्थना की। घर–आंगन में सजी पूजा की महफिलों ने त्योहार की रौनक बढ़ा दी।

शेरगढ़–नौहझील रोड पर टक्कर कोलतार गाड़ी क्षतिग्रस्त

यूनिक समय, शेरगढ़। शेरगढ़-नौहझील मार्ग पर रात करीब 11 बजे सड़क के गड्ढे को पार कर रही कोलतार की गाड़ी में पीछे से आए 12 टायर वाले अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में कोलतार की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि चालक के हाथ में चोट लगने की जानकारी है।

अलीगढ़ जनपद के बेसवां निवासी चालक के अनुसार, वह रात करीब 11 बजे शेरगढ़-नौहझील मार्ग पर सड़क के गड्ढे से गाड़ी निकाल रहा था। इसी दौरान पीछे से आए बॉडी वाले 12 टायर के वाहन ने उसकी गाड़ी में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। चालक ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद दूसरी गाड़ी में सवार लोगों ने उसके साथ अभद्रता की। इसके बाद वह वहां से निकल गया। चालक ने बताया कि उसे जानकारी नहीं है कि दूसरे वाहन का चालक या उसमें सवार लोग थाने पहुंचे या नहीं। उसके मुताबिक, दूसरे वाहन में सवार लोग स्थानीय निवासी बताए जा रहे हैं।

मथुरा में अपराध रोकने के साथ पुनर्वासन पर जोर

समिति पदाधिकारियों ने लखनऊ में समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण से की मुलाकात

यूनिक समय, कोसीकलां। उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति ने अपराध नियंत्रण के साथ सामाजिक पुनर्वासन और जनजागरूकता को बढ़ावा देने की पहल की है। इसी क्रम में समिति के चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के निर्देश पर अलीगढ़ मंडल के पदाधिकारी अमन सिंह और मथुरा जिला सचिव सूर्य भानु प्रताप पांडेय ने लखनऊ में समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण से मुलाकात कर जनपद में चल रहे कार्यों की जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने अपराध निरोध, नशामुक्ति अभियान, जेलों में बंद कैदियों के कल्याण व पुनर्वासन, युवाओं को अपराध से दूर रखकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने जैसे विषयों पर चर्चा की। मंत्री ने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर काम करने की बात कही। लखनऊ प्रवास के दौरान पदाधिकारियों ने बलदेव विधायक पूरन प्रकाश से भी भेंट की।

420 किलोमीटर की लोट–पलौटी यात्रा पहुंची छटीकरा

यूनिक समय, मथुरा। हरियाणा के बधवाना से 21 अगस्त को शुरू हुई लोट–पलौटी यात्रा का छटीकरा में भव्य स्वागत किया गया। यात्रा का नेतृत्व कर रहे गुरु पवन दीप शर्मा का स्थानीय लोगों ने पटुका पहनाकर और पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया। इस दौरान राधे–राधे के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। उन्होंने कहा कि महाराज के प्रवचनों से युवा नशे का त्याग कर आध्यात्मिकता और सनातन संस्कृति से जुड़ रहे हैं। महाराज के दर्शन के बाद यात्रा का समापन होगा।

तीन नवंबर को निकलेगी बाबा महाकाल की शाही पालकी

श्री कृष्णेश्वर महाकाल महाराज की प्रथम वर्षगांठ पर होंगे भव्य आयोजन

महा रुद्राभिषेक के बाद सजेगी भजन संध्या, शिवभक्ति में डूबेगा कोसीकलां

यूनिक समय, कोसीकलां। गोमती कुंड स्थित बालाजी मंदिर परिसर में श्री कृष्णेश्वर महाकाल महाराज की प्रथम वर्षगांठ तीन नवंबर, मंगलवार को धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर दिनभर धार्मिक अनुष्ठान होंगे और शाम को बाबा महाकाल की शाही पालकी नगर भ्रमण पर निकलेगी। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। श्रद्धा और भक्ति से सराबोर इस उत्सव में बड़ी संख्या में शिवभक्तों के जुटने की उम्मीद है। आयोजन समिति के अनुसार, मंगलवार सुबह सात बजे वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच बाबा महाकाल का महा रुद्राभिषेक किया जाएगा। इस दौरान भक्तों के सुख-समृद्धि, कल्याण और मंगलकामना के लिए प्रार्थना होगी। सुबह 11 बजे से भव्य संकीर्तन और भजन कार्यक्रम शुरू होगा। इसमें सुप्रसिद्ध भजन गायक अशोक भार्गव, आयुष गर्ग और भजन गायिका सुमन तंवर अपनी प्रस्तुतियों से भक्तों को शिवभक्ति में सराबोर करेंगे। वर्षगांठ समारोह का मुख्य आकर्षण शाम पांच बजे निकलने वाली बाबा महाकाल की भव्य शाही पालकी यात्रा होगी। पालकी यात्रा के मार्ग में भक्त पुष्पवर्षा कर बाबा का स्वागत करेंगे। आयोजन को भव्य बनाने के लिए समिति के सदस्य व्यवस्थाओं में जुटे हैं। समिति ने सभी शिवभक्तों से परिवार सहित पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन करने और धार्मिक आयोजन में सहभागी बनकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

11 स्वर्ण समेत 21 पदक जीतकर कोसीकलां का बढ़ाया मान

कराटे में सरस्वती विद्या मंदिर का जलवा, ओवरऑल चैंपियन

यूनिक समय, कोसीकलां। आगरा में आयोजित 38वीं क्षेत्रीय कराटे प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मंदिर, कोसीकलां के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की। 11 स्वर्ण समेत 21 पदक जीतकर विद्यालय की टीम ने 77 अंक हासिल किए। प्रतियोगिता में बृज प्रदेश, मेरठ और उत्तराखंड की टीमों ने हिस्सा लिया।

आगरा के कमला नगर में 15 से 18 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता में विद्यालय की टीम अंडर–14 बालक वर्ग में प्रथम, अंडर–17 बालक वर्ग में द्वितीय तथा अंडर–14 बालिका, अंडर–17 बालिका और अंडर–19 बालक वर्ग में तृतीय स्थान पर रही। रुद्र नरूका, यश जोशी, सक्षम, तरुण, मयंक चौधरी, हरिओम, सार्थक, सहजदीप, दिव्या, सौम्या और सूर्य प्रताप ने स्वर्ण पदक जीते। आयुष्मान, कुमकुम, गार्गी, हरिष्ठा, श्रेया और नरेंद्र ने रजत, जबकि मयंक जैन, तानिष्क, हेमंत और रेनू ने कांस्य पदक हासिल किए।

प्रधानाचार्य कुमदेश कुमार ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के संस्कार और अभिभावकों के विश्वास का परिणाम है। विद्यालय में किताबी शिक्षा के साथ आत्मरक्षा और आत्मविश्वास पर भी जोर दिया जाता है। प्रबंधक कृष्ण कुमार अग्रवाल, शिक्षा समिति के मंत्री अवधेश कुमार गुप्ता और अध्यक्ष डॉ. जगदीश अग्रवाल ने विजेता खिलाड़ियों और उनकी कोच राधा त्रिपाठी को बधाई दी।

सलाखों के पीछेभी नहीं टूटा सुहाग का बंधन, जेल में सजा करवा चौथ का पवित्र त्योहार

सोलह श्रृंगार में सजीं सुहागिनें

वीरावती की कथा में छलकी आस्था

महिला बंदियों के लिए उपहार में दिए सामान के साथ उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति के पदाधिकारी और जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग।

यूनिक समय, मथुरा। कहते हैं सुहाग की डोर इतनी मजबूत होती है कि उसे लोहे की सलाखें भी नहीं तोड़ सकतीं। ऐसा ही भावुक नजारा गुरुवार को जिला कारागार मथुरा में देखने को मिला, जहां बंद जीवन जी रही महिलाओं ने भी अपने पति की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का निर्जला व्रत रखा। करवा चौथ पर जब बाहर की दुनिया में हर सुहागिन सोलह श्रृंगार में सज रही थी, तब जेल की चारदीवारी में बंद इन महिलाओं की आंखें भी अपने सुहाग के लिए सजने को तरस रही थीं। इनकी इसी भावना को समझते हुए उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति फरिश्ता बनकर पहुंची। समिति के चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के निर्देश पर जिला कारागार में बंदी महिलाओं को साड़ी, सिंदूर, बिंदी, चूड़ियां, मेहंदी, महावर, करवे और पूजन सामग्री दी गई। सामग्री हाथ में आते ही कई महिला बंदियों की आंखें भर आईं। किसी ने कांपते हाथों से अपने हाथों में मेहंदी लगाई तो किसी ने मांग में सिंदूर भरकर अपने सुहाग को याद कर ईश्वर से उसके सलामत रहने की दुआ मांगी। जेल के एक कोने में बैठकर जब इन महिलाओं ने करवा माता की कथा सुनी तो पूरा माहौल भावुक हो गया। हाथ में गेहूं के 13 दाने लिए ये महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना कर रही थीं। जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग ने भावुक होते हुए कहा कि अपराध निरोधक समिति समय-समय पर हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर जो कार्य करती है, वह सिर्फ सहयोग नहीं, बल्कि मानवता की सेवा है। नवनियुक्त जिला सचिव सूर्यभानु प्रताप पांडेय और आगरा मंडल सचिव कपिल देव शर्मा ने कहा कि हमारा मकसद सिर्फ सामान बांटना नहीं, बल्कि इन टूटी हुई उम्मीदों को फिर से जोड़ना है, ताकि ये महिलाएं जब यहां से बाहर जाएं तो एक नई जिंदगी शुरू कर सकें। इस दौरान जेलर सुरेंद्र मोहन, वरिष्ठ लेखाकार सी.एम तिवारी, आचार्य शिवम गौड, आचार्य कृष्ण चंद्र शास्त्री आदि मौजूद रहे।

जेल में 28 महिला बंदियों ने रखा करवा चौथ का व्रत

यूनिक समय, मथुरा। जिला कारागार में करवा चौथ पर 28 महिला बंदियों ने पति की लंबी उम्र की कामना के साथ व्रत रखा। इनमें 14 महिलाओं के पति भी इसी जेल में निरुद्ध हैं। जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग के निर्देश पर मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को सम्मानित किया गया। उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के पदाधिकारी कपिल देव शर्मा ने व्रती महिलाओं को साड़ियां, करवे, श्रृंगार और पूजन सामग्री उपलब्ध कराई। जेल में त्योहार के अवसर पर उत्साह का माहौल रहा।

सुविचार

झूठ की उम्र भले लंबी हो, सच आखिरकार सामने आता है।

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी	01:07-01:07 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष	
नक्षत्र	मृगशिरा	11:11-09:04 तक	माह	कार्तिक	
सूर्योदय		6:28 AM	चन्द्रोदय	09:25 PM	
सूर्यास्त		5:37 PM	चंद्रास्त	10:52 AM	
सूर्य राशि		तुला राशि	चंद्र	मिथुन राशि	
शुभ मुहूर्त		11:41AM –12:26 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:45-05:37	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		10:39 AM: 12:03 PM	वार	शुक्रवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

पढ़ाई से जी चुराए तो बच्चों को डांटें नहीं, अपनाएं ये उपाय

यूनिक समय, मथुरा। आजकल बच्चों को पढ़ाई के लिए बैठाना माता–पिता के सामने बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। किताब खोलकर बैठने के कुछ देर बाद ही कई बच्चों का ध्यान मोबाइल, खेल और सामाजिक माध्यमों की ओर चला जाता है। ऐसे में माता–पिता को बच्चों पर गुस्सा करने के बजाय उनकी आदतों और परेशानी को समझने की जरूरत है। अंबाला के ज्योतिषाचार्य कुमार गौरव के अनुसार, बच्चों के व्यवहार पर पारिवारिक माहौल और संस्कारों का भी प्रभाव पड़ता है।

ज्योतिषीय मान्यताओं में बुध ग्रह को बुद्धि, तर्क और संवाद क्षमता का कारक माना जाता है। ज्योतिषाचार्य कुमार गौरव के अनुसार, बच्चों की पढ़ाई में रुचि बढ़ाने के लिए भगवान गणेश की पूजा और उन्हें दूर्वा अर्पित करने का उपाय बताया जाता है। मान्यता के अनुसार, तांबे के छेद वाले सि क्के को सफेद धागे में डालकर बुधवार या रविवार को धारण करने की सलाह भी दी जाती है। हालांकि, इन उपायों से पढ़ाई में सुधार होने का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। बच्चों की सफलता के लिए नियमित अभ्यास और सही मार्गदर्शन अधिक महत्वपूर्ण हैं।

मोबाइल से भटकता ध्यान, नियमित दिनचर्या से मिलेगी मदद

वास्तु मान्यताओं में उत्तर दिशा और गणेश पूजा का महत्व

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पढ़ाई का स्थान साफ–सुथरा और व्यवस्थित होना चाहिए। बच्चों के लिए एक निश्चित स्थान और मेज निर्धारित करने से नियमित रूप से पढ़ने की आदत विकसित करने में मदद मिल सकती है। वास्तु की मान्यताओं में उत्तर दिशा की ओर मुंह करके पढ़ना भी शुभ माना जाता है। बच्चों का ध्यान पढ़ाई में लगाने के लिए माता–पिता को मोबाइल के इस्तेमाल की समय–सीमा तय करनी चाहिए। पढ़ाई के समय फोन दूर रखें और कठिन विषयों को छोटे–छोटे हिस्सों में बांटकर पढ़ाएं। बीच–बीच में छोटे विश्राम, पर्याप्त नींद और शारीरिक गतिविधियां भी उपयोगी हैं।

यदि बच्चा लगातार पढ़ाई में ध्यान लगाने में परेशानी महसूस करता है, तो शिक्षक से बातचीत करें और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की सलाह लें। डांटने के बजाय प्रोत्साहित करने से बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ सकता है।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर
डॉ. अनिल कुमार गौतम M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)
डॉ. दुर्गेश कुमार M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT
डॉ. वी. के. पांडे M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON
डॉ. इला अग्रवाल M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. एकता थडानी M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार M.B.B.S. DVD. MIADVI
डॉ. नितेश जिंदल MBBS, MD, MEDICINE
डॉ. नरेश अग्रवाल M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &
डॉ. मनदीप यादव D.P.T B.P.T
डॉ. चेतना अग्रवाल B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH
डॉ. एम. माहेश्वरी M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹ 5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार
आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है
आपातकालीन मो.नं. 7078877006 8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

राजा को गुरु ने सिखाया काम करने का नया नजरिया, चिंता हुई दूर

यूनिक समय, मथुरा। एक लोककथा के अनुसार, एक राजा अपने राज्य की समस्याओं से परेशान रहता था। राज्य में अकाल पड़ने, राजकोष खाली होने और षड्यंत्रों के कारण उसकी चिंता बढ़ गई थी। महल, धन और सुख–सुविधाएं होने के बावजूद उसे न ठीक से नींद आती थी और न भोजन में आनंद मिलता था। एक दिन राजा ने बगीचे में एक माली को प्रसन्न होकर काम करते देखा। साधारण जीवन जीने वाला माली कम साधनों में भी संतुष्ट था। राजा ने अपने गुरु से पूछा कि तमाम सुविधाएं होने के बावजूद वह दुखी क्यों है, जबकि माली खुश रहता है। गुरु ने राजा को सुझाव दिया कि वह अपना राज्य उन्हें सौंपकर उनके लिए काम करे। राजा तैयार हो गया। गुरु ने उसे पहले की तरह राज्य चलाने को कहा, लेकिन अब उसे यह जिम्मेदारी गुरु की सेवा के रूप में निभानी थी।

जिम्मेदारी को बोझ नहीं, कर्तव्य समझने से मिलेगा सुकून

काम के साथ आराम और संतोष भी जीवन में जरूरी

कुछ समय बाद राजा की चिंता कम होने लगी। गुरु ने समझाया कि परिस्थितियां नहीं बदलीं, बल्कि काम को देखने का नजरिया बदल गया। राजा अब जिम्मेदारियों को निजी बोझ के बजाय कर्तव्य समझने लगा।

इस लोककथा की सीख है कि काम के परिणाम की अनावश्यक चिंता करने के बजाय ईमानदारी से प्रयास करना चाहिए। दूसरों से तुलना करने से बचें, वर्तमान में जीना सीखें और छोटी उपलब्धियों में संतोष खोजें। काम के साथ पर्याप्त नींद, व्यायाम और परिवार के लिए समय निकालना भी जरूरी है। सफलता केवल धन और पद से नहीं, बल्कि मानसिक शांति, अच्छे संबंधों और आत्मसंतुष्टि से भी मापी जानी चाहिए।

27 नक्षत्रों के 27 पेड़, जहां आस्था और प्रकृति का अनूठा संगम

यूनिक समय, मथुरा। सनातन परंपरा में पेड़–पौधों को प्रकृति और जीवन का महत्वपूर्ण आधार माना गया है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, 27 नक्षत्रों का संबंध अलग–अलग वृक्षों से बताया गया है। इसी परंपरा को साकार करने के लिए राजस्थान में वृक्षाराम परिसर विकसित किया गया है। यहां एक ही स्थान पर 27 नक्षत्रों से संबंधित 27 प्रकार के वृक्ष लगाए गए हैं।

वृक्षाराम में श्रद्धालु अपने जन्म नक्षत्र से जुड़े वृक्ष की पहचान कर सकते हैं। परिसर में प्रत्येक पेड़ के नीचे चबूतरा बनाया गया है। साथ ही, सूचना पट्टिकाओं पर वृक्ष और संबंधित नक्षत्र के बारे में जानकारी दी गई है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अपने नक्षत्र से जुड़े वृक्ष की पूजा और देखभाल करना शुभ माना जाता है। श्रद्धालु यहां पूजा–अर्चना और परिक्रमा भी कर सकते हैं। इस परिसर की शुरुआत

जन्म नक्षत्र से जुड़े वृक्षों की पूजा और परिक्रमा की सुविधा

वृक्षाराम में धार्मिक परंपरा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश

21 दिसंबर 2015 को हुई थी। इसका उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ लोगों को प्रकृति के करीब लाना भी है। वृक्षाराम नई पीढ़ी को भारतीय परंपराओं, पेड़–पौधों के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का माध्यम बन रहा है। यह पहल संदेश देती है कि धार्मिक आस्था और हरियाली का संरक्षण एक–दूसरे के पूरक हो सकते हैं।

दीपावली पर दीपक की कालिख से काजल बनाना, ब्रज की अनूठी परंपरा

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली का पर्व ब्रज में केवल दीप जलाने और लक्ष्मी–गणेश पूजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़ी अनेक लोकपरंपराएं भी घर–परिवारों में निभाई जाती हैं। इन्हीं परंपराओं में दीपावली पर दीपक से काजल तैयार करने और उसे लगाने की रस्म भी शामिल है। ब्रज के कुछ परिवारों में इसे शुभता और बुरी नजर से बचाव की लोकमान्यता से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि, इस परंपरा का स्वरूप अलग–अलग परिवारों में भिन्न हो सकता है।

पारंपरिक तरीके में दीपावली की रात सरसों के तेल या घी का दीपक जलाया जाता है। उसकी लौ से निकलने वाली कालिख को किसी साफ सतह पर एकत्र किया जाता है। इसी कालिख से काजल तैयार करने की परंपरा है।

दीपक की लौ से तैयार कालिख से महिलाएं बनाती हैं काजल

लोकरीति में शामिल रस्म पीढ़ियों से निभा रहे परिवार

कुछ घरों में महिलाएं इसे परिवार के सदस्यों को लगाती हैं। लोकविश्वास के अनुसार, ऐसा करने से बुरी नजर से बचाव होता है और परिवार पर शुभता बनी रहती है। यह मान्यता धार्मिक आस्था और पारिवारिक रीति–रिवाजों से जुड़ी है, इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

ब्रज की संस्कृति में त्योहारों के साथ खानपान, पूजा–पद्धति और पारिवारिक रस्मों का विशेष स्थान है। दीपावली पर काजल बनाने की परंपरा भी इसी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा मानी जाती है।

बुजुर्गों से सीखी गई ऐसी रस्में परिवारों में पीढ़ी–दर–पीढ़ी आगे बढ़ती हैं। हालांकि, बदलती जीवनशैली के बीच कुछ परिवार इन्हें निभाते हैं, जबकि कुछ में इनका चलन कम हुआ है।

ध्यान देने योग्य है कि दीपक की कालिख में आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले कण हो सकते हैं। इसलिए पारंपरिक काजल को आंखों में लगाना सुरक्षित नहीं माना जाता। लोकपरंपराओं का सम्मान करते हुए आंखों की सुरक्षा का ध्यान रखना भी जरूरी है।

सम्पादकीय

जिंदगी में हार नहीं, हारकर रुकना असली हार है

बच्चों की परवरिश में आजकल माता–पिता इतने व्यस्त हैं कि उन्हें हर परीक्षा में अव्वल लाने की चिंता तो सताती है, लेकिन जिंदगी की परीक्षा के लिए तैयार करना भूल जाते हैं। अच्छे अंक, महंगे विद्यालय, बड़ी डिग्री और शानदार नौकरी की चाहत के बीच एक जरूरी पाठ कहीं पीछे छूट जाता है–नाकामी से मुकाबला कैसे करें?

मथुरा की गलियों से लेकर मुंबई की चमचमाती सड़कों तक जिंदगी के दो चेहरे दिखाई देते हैं। एक तरफ वातानुकूलित गाड़ियों में बैठे लोग हैं, दूसरी तरफ लाल बत्ती पर फूल बेचते बच्चे। कोई

पवन गौतम
संपादक

खिड़की बंद कर लेता है, कोई नजरें फेर लेता है और कोई बिना देखे ही इनकार कर देता है। मगर वह बच्चा अगली गाड़ी की ओर बढ़ जाता है। उसके लिए एक ग्राहक का मना करना दुनिया का दरवाजा बंद होना नहीं है।

विडंबना देखिए, हम अपने बच्चों को हर सुविधा देकर कठिनाइयों से बचाते हैं और फिर उम्मीद करते हैं कि वे जिंदगी की हर चुनौती का सामना शेर की तरह करेंगे। परीक्षा में कम अंक आ जाएं तो घर में मातम, प्रतियोगिता में हार जाएं तो हौसला पस्त और मनचाहा अवसर न मिले तो मानो भविष्य ही समाप्त हो गय, क्या हमने सफलता की तैयारी में असफलता को स्वीकार करने का पाठ ही निकाल दिया?

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

उस फूल बेचने वाले बच्चे की मजबूरी प्रेरणा का बहाना नहीं बननी चाहिए। किसी बच्चे का जोखिम भरी सड़क पर रोजी कमाना समाज के लिए चिंता का विषय है, प्रशंसा का तमगा नहीं। उसे सुरक्षा, शिक्षा और बेहतर अवसर मिलने चाहिए। लेकिन विपरीत परिस्थितियों में बार–बार प्रयास करने का उसका साहस हमें आत्ममंथन का अवसर जरूर देता है।

माता–पिता को बच्चों से कहना चाहिए कि हर बार जीतना जरूरी नहीं, हर हार से सीखना जरूरी है। किसी का इनकार उनकी योग्यता का अंतिम फैसला नहीं, किसी परीक्षा में असफलता उनकी पूरी जिंदगी का परिणाम नहीं और किसी अवसर का छूट जाना भविष्य पर ताला नहीं है।

बच्चों को इतना मजबूत बनाइए कि वे सफलता मिलने पर जमीन पर रहें और असफलता मिलने पर टूटकर बिखरें नहीं। उन्हें समझाइए कि जिंदगी कोई ऐसी परीक्षा नहीं, जिसमें हर सवाल का सही जवाब पहली बार में ही देना हो।

आखिरकार, बच्चों को केवल जीतने की कला मत सिखाइए, गिरकर संभलने का हुनर भी दीजिए। क्योंकि जिंदगी में रास्ते उन्हीं के लिए खुलते हैं, जो एक बंद दरवाजे के बाद दूसरी दस्तक देने का साहस रखते हैं।

नजरिया

चुनाव आयोग की साख का फैसला आरोपों से नहीं,तथ्यों से होगा

बोध प्रकाश सगुणी

लोकतंत्र में संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बेहद महत्वपूर्ण होती है। चुनाव आयोग ऐसी ही संस्था है, जिसके निर्णयों पर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और मतदाताओं का भरोसा टिका रहता है। इसलिए आयोग के कामकाज पर सवाल उठना असामान्य नहीं है, लेकिन सवालों का जवाब भी तथ्यों, दस्तावेजों और कानून के आधार पर ही तलाशा जाना चाहिए। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों पर उच्चतम न्यायालय में अपना पक्ष रखा है। आयोग के हलफनामे ने विवाद के कई पहलुओं को सामने रखा है, मगर इसे आरोपों का अंतिम अंत या आयोग को मिली न्यायिक क्लीन चिट मान लेना जल्दबाजी होगी।

विपक्ष का काम सरकार और संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज पर सवाल उठाना है। यह अधिकार लोकतंत्र की बुनियादी ताकत है। लेकिन किसी भी आरोप की विश्वसनीयता इस बात से तय होती है कि उसके समर्थन में कितने ठोस प्रमाण हैं। केवल राजनीतिक बयानबाजी से किसी संस्था को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इसी तरह किसी संस्था के पदाधिकारियों का स्पष्टीकरण भी अपने आप हर सवाल का अंतिम उत्तर नहीं बन जाता। लोकतंत्र में न आरोप अंतिम सत्य होते हैं और न बचाव अपने आप प्रमाण। सच तक पहुंचने के लिए निष्पक्ष जांच और पारदर्शी प्रक्रिया जरूरी है।

चुनाव आयोग ने न्यायालय में कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित तीन प्रमुख आदेश 24 जून 2025, 27 अक्टूबर 2025 और 14 मई 2026 को तीनों सदस्यों की सर्वसम्मति से जारी किए गए। आयोग के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों निर्वाचन आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू तथा विवेक जोशी की सहमति से निर्णय लिए गए। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि फाइलों पर दर्ज टिप्पणियों, सुझावों और अंतिम निर्णय को एक ही अर्थ में नहीं देखा जाना चाहिए। प्रशासनिक प्रक्रिया में किसी अधिकारी की टिप्पणी विचार–विमर्श का हिस्सा हो सकती है, लेकिन उससे यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि अंतिम फैसला भी उसी आधार पर हुआ।

यह तर्क विचारणीय है। किसी फाइल पर असहमति, सवाल या सुझाव दर्ज होने का अर्थ अपने आप यह नहीं कि अंतिम निर्णय नियमों के विरुद्ध लिया गया। मगर यह भी उतना ही जरूरी है कि निर्णय प्रक्रिया का अभिलेख स्पष्ट और जांच के योग्य हो। यदि किसी निर्णय पर गंभीर

सवाल उठते हैं, तो आयोग को ऐसे दस्तावेज सामने रखने चाहिए जिनसे उसकी प्रक्रिया की निष्पक्षता और वैधानिकता स्पष्ट हो सके। संवैधानिक संस्था की प्रतिष्ठा केवल उसके पद से नहीं, बल्कि उसके कामकाज की पारदर्शिता से मजबूत होती है।

विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता आवेदन से जुड़े प्रपत्रों का विवाद भी महत्वपूर्ण है। आयोग का कहना है कि मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए इस्तेमाल होने वाले वैधानिक प्रपत्र–6 में संशोधन नहीं किया गया। उसके अनुसार, पुनरीक्षण के दौरान मांगा गया अतिरिक्त घोषणा–पत्र अलग दस्तावेज है। आयोग ने यह भी स्वीकार किया कि ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की प्रस्तुति से प्रपत्र में बदलाव होने का भ्रम पैदा हो सकता था। इसी कारण 21 अक्टूबर से ऑनलाइन प्रक्रिया में मूल प्रपत्र और अतिरिक्त घोषणा–पत्र को अलग करने की व्यवस्था किए जाने की बात कही गई।

यहां सबसे बड़ा सवाल आम मतदाता की सुविधा और अधिकारों का है। सरकारी व्यवस्था कितनी भी तकनीकी क्यों न हो, उसका उद्देश्य नागरिकों की परेशानी बढ़ाना नहीं, बल्कि काम को सरल बनाना होना चाहिए। यदि किसी आवेदन प्रक्रिया में भ्रम पैदा हो रहा है, तो उसमें सुधार करना स्वागतयोग्य है। लेकिन सुधार की आवश्यकता सामने आने के बाद यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि किसी पात्र मतदाता का आवेदन केवल जानकारी के अभाव या तकनीकी कठिनाई के कारण प्रभावित न हो। मतदाता सूची की शुद्धता जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार सुरक्षित रखना है। मतदाता सूची से मृत, स्थानांतरित और दोहरी प्रविष्टियों की पहचान करना चुनाव व्यवस्था की आवश्यक जिम्मेदारी है। गलत प्रविष्टियां चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा सकती हैं। दूसरी ओर, किसी जीवित और पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से हट जाना भी गंभीर प्रशासनिक चूक है। इसलिए पुनरीक्षण के दौरान दस्तावेजों की जांच, घर–घर सत्यापन, सुनवाई की स्पष्ट व्यवस्था और शिकायतों के समाधान को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। तकनीकी प्रणाली में नाम जोड़ने या हटाने के लिए सक्षम अधिकारी का आदेश आवश्यक होना तभी प्रभावी सुरक्षा उपाय बनेगा, जब उसका पालन वास्तविक परिस्थितियों में भी सुनिश्चित किया जाए।

इस मामले में उच्चतम न्यायालय की भूमिका महत्वपूर्ण है। अदालत ने आयोग के हलफनामे पर जवाब देने के लिए याचिकाकर्ता राकेश कुमार सिंह को दस दिन का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई दीपावली की छुट्टियों के बाद 17 नवंबर को होने की संभावना बताई गई है। इसका अर्थ है कि न्यायिक प्रक्रिया अभी जारी है। अदालत ने आयोग के पक्ष को अंतिम रूप से स्वीकार नहीं किया है और न ही याचिकाकर्ताओं के आरोपों को सही ठहराया है। दोनों पक्षों के तर्क और उपलब्ध अभिलेखों की जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व का मूल्यांकन भी इसी कसौटी पर होना चाहिए। किसी पदाधिकारी की सफलता का पैमाना यह नहीं हो सकता कि राजनीतिक दल उससे संतुष्ट हैं या असंतुष्ट। वास्तविक कसौटी यह है कि निर्णय कानून के अनुरूप हों, उनकी प्रक्रिया पारदर्शी हो और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा हो। यदि आयोग के निर्णय न्यायिक जांच में सही साबित होते हैं, तो उसकी संस्थागत विश्वसनीयता मजबूत होगी। यदि किसी प्रक्रिया में कानूनी कमी सामने आती है, तो उसे सुधारना भी संवैधानिक व्यवस्था की मजबूती का ही प्रमाण होगा। आज लोकतंत्र को राजनीतिक आरोपों की ऊंची आवाज से अधिक तथ्यों की स्पष्टता की जरूरत है।

चुनाव आयोग को अपनी निष्पक्षता साबित करने के लिए पारदर्शी रहना होगा और विपक्ष को अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। दोनों के लिए कानून और जवाबदेही की कसौटी समान होनी चाहिए। चुनाव आयोग किसी राजनीतिक दल का विरोधी नहीं, बल्कि मतदाता के अधिकारों का संरक्षक है। उसकी आलोचना भी प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए और उसके पक्ष का समर्थन भी तथ्यों के आधार पर। अंततः लोकतंत्र की जीत किसी एक पक्ष की हार या जीत में नहीं, बल्कि जनता के भरोसे की रक्षा में है। चुनाव प्रक्रिया पर उठने वाले सवालों का समाधान राजनीतिक शोर से नहीं, निष्पक्ष जांच, पारदर्शी व्यवस्था और न्यायिक समीक्षा से निकलेगा। मतदाता का नाम सूची में सुरक्षित रहे, मतदान का अधिकार प्रभावित न हो और संवैधानिक संस्थाएं जवाबदेह बनी रहें–यही किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की असली कसौटी है।

विचार विंडो

मतपत्रों ने खोली राजनीति की पोल, आरोपों से कब जागेंगे दल

अशोक भाटिया

लोकतंत्र में चुनावी हार और जीत राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा हैं। कोई दल हर चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सकता और न ही प्रत्येक पराजय के पीछे किसी साजिश को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। चुनाव परिणाम राजनीतिक दलों के लिए जनता की नब्ज समझने, अपनी नीतियों की समीक्षा करने और संगठन की कमजोरियों को दूर करने का अवसर होते हैं। लेकिन जब हार के बाद आत्ममंथन की जगह आरोपों का सिलसिला शुरू हो जाता है, तब राजनीति के सामने गंभीर सवाल खड़े होते हैं। मतपत्र से हुए चुनावों के परिणामों को लेकर उठी बहस ने एक बार फिर यही प्रश्न सामने रखा है कि राजनीतिक दल अपनी हार का विश्लेषण करने के लिए कितने तैयार हैं।

इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों को लेकर विपक्षी दलों की आपत्तियां नई नहीं हैं। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल समय–समय पर चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाते रहे हैं। निष्पक्ष चुनाव की मांग करना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है। चुनाव आयोग से जवाब मांगना भी अनुचित नहीं है। लेकिन किसी व्यवस्था पर संदेह जताने और बिना पर्याप्त प्रमाण के उसे दोषी ठहराने में अंतर होता है। लोकतंत्र में सवालों का स्वागत होना चाहिए, मगर उनके जवाब तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर तलाशे जाने चाहिए।

मतपत्र से होने वाले चुनावों के परिणाम भी राजनीतिक दलों के लिए आत्ममंथन का अवसर बन सकते हैं। यदि कोई दल ऐसी चुनावी व्यवस्था में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाता, जिसे वह अधिक पारदर्शी मानता है, तो उसे अपने संगठन, उम्मीदवारों और मतदाताओं से जुड़ाव की समीक्षा करनी चाहिए। हालांकि, केवल कुछ चुनावों के नतीजों से यह अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं कि इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों को लेकर उठाए गए सभी सवाल निराधार हैं। अलग–अलग चुनावों की परिस्थितियां, मतदाता समूह, उम्मीदवार और निर्वाचन की पद्धति अलग हो सकती है। इसलिए किसी भी निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए तथ्यों की व्यापक जांच आवश्यक है।

विधान परिषद के स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव सामान्य विधानसभा चुनावों से अलग प्रकृति के होते हैं। इनमें मतदाता समूह सीमित और विशेष पात्रता वाला होता है। ऐसे चुनावों में उम्मीदवार की व्यक्तिगत पहचान, स्थानीय संपर्क, शिक्षक समुदाय से जुड़ाव और लंबे समय तक किए गए संगठनात्मक कार्य की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। मतदाता सूची में पात्र लोगों का पंजीकरण कराना भी राजनीतिक दलों के लिए बड़ी जिम्मेदारी है। जो दल समय रहते मतदाताओं तक पहुंचता है और उनकी

समस्याओं को समझता है, उसे इसका लाभ मिल सकता है।

यही वह क्षेत्र है जहां राजनीतिक दलों की वास्तविक संगठनात्मक क्षमता की परीक्षा होती है। बड़ी रैलियां, प्रभावशाली भाषण और सामाजिक माध्यमों पर प्रचार किसी पार्टी की पूरी ताकत का प्रमाण नहीं हैं। चुनाव जीतने के लिए बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता, मतदाताओं से निरंतर संवाद, स्थानीय मुद्दों की समझ और भरोसेमंद उम्मीदवार जरूरी होते हैं। यदि कोई दल इन मोर्चों पर कमजोर पड़ता है, तो केवल चुनावी व्यवस्था पर सवाल उठाने से उसकी समस्या दूर नहीं होगी। कांग्रेस सहित सभी राजनीतिक दलों के लिए यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र में जनता केवल आरोपों के आधार पर अपना निर्णय नहीं करती। मतदाता रोजगार, शिक्षा, महंगाई, स्थानीय विकास, सामाजिक सुरक्षा और अपने क्षेत्र की समस्याओं को भी महत्व देता है। विपक्ष की जिम्मेदारी केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि उसके सामने व्यावहारिक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। इसी तरह सत्तारूढ़ दलों को भी अपनी सफलता के आधार पर हर आलोचना को खारिज करने से बचना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता और विपक्ष, दोनों की जवाबदेही जरूरी है। चुनाव की निष्पक्षता का प्रश्न किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं होना चाहिए। यदि किसी चुनाव में अनियमितता का आरोप लगता है, तो उसकी शिकायत उचित प्रक्रिया के तहत की जानी चाहिए। चुनाव आयोग को शिकायतों की जांच करनी चाहिए और जहां आवश्यक हो, वहां पारदर्शी तरीके से तथ्य सामने रखने चाहिए। दूसरी ओर, राजनीतिक दलों को भी प्रमाण के बिना व्यापक आरोप लगाने से बचना चाहिए। इससे न केवल राजनीतिक बहस का स्तर सुधरेगा, बल्कि मतदाताओं का संस्थाओं पर भरोसा भी कायम रहेगा। मतपत्र और इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीन, दोनों व्यवस्थाओं की अपनी प्रक्रियाएं और चुनौतियां हैं। मतपत्र आधारित मतदान में मतों की गिनती और अमान्य मतों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं, जबकि इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था में तकनीकी विश्वसनीयता, सत्यापन और पारदर्शिता से जुड़े प्रश्न उठ सकते हैं। किसी एक प्रणाली को केवल राजनीतिक सुविधा के आधार पर पूरी तरह दोषमुक्त या दोषपूर्ण घोषित करना उचित नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि चुनाव की प्रत्येक प्रक्रिया विश्वसनीय हो, उसकी जांच संभव हो और शिकायतों का निष्पक्ष समाधान किया जाए।

राजनीतिक दलों को यह भी समझना होगा कि जनता का विश्वास भाषणों से नहीं, व्यवहार और परिणामों से अर्जित होता है। संगठन की कमजोरी स्वीकार करना पराजय नहीं, बल्कि सुधार की पहली सीढ़ी है। यदि कोई दल लगातार कमजोर प्रदर्शन करता है, तो उसे अपने नेतृत्व, उम्मीदवार चयन, कार्यकर्ताओं की भूमिका और जनसंपर्क की रणनीति पर विचार करना चाहिए। इसी तरह जीतने वाले दलों को भी आत्मसंतुष्टि से बचना चाहिए, क्योंकि मतदाता का विश्वास स्थायी नहीं होता। अंततः लोकतंत्र की मजबूती इस बात में है कि चुनाव परिणामों को स्वीकार करते हुए भी निष्पक्षता के प्रश्नों की जांच की जाए। न हर हार को साजिश कहा जा सकता है और न हर जीत को सभी व्यवस्थागत सवालों का अंतिम उत्तर माना जा सकता है। राजनीतिक दलों को आरोपों से आगे बढ़कर संगठन सुधारने, जनता के मुद्दे उठाने और ठोस विकल्प देने की जरूरत है। चुनाव आयोग को पारदर्शिता बनाए रखनी है और मतदाताओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना है। लोकतंत्र में असली कसौटी यही है कि राजनीति आरोपों के शोर से ऊपर उठकर जनता के विश्वास और निष्पक्ष चुनाव की गरिमा को प्राथमिकता दे।

डब्ल्यूपीएल ऑक्शन के बाद कैसी हैं पांच टीमों की ताकत और कमजोरी

यूपी वॉरियर्ज ने खरीदे 6 ऑलराउंडर

आरसीबी की मजबूत टीम और मुंबई के मिडिल ऑर्डर पर रहेंगी नजरें

यूनिक समय, नई दिल्ली। विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के ऑक्शन के बाद पांचों टीमों की तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। यूपी वॉरियर्ज ने छह ऑलराउंडर्स को शामिल कर टीम में संतुलन बनाने की कोशिश की, जबकि मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपने मजबूत खिलाड़ियों के साथ नए विकल्प जोड़े। मुंबई इंडियंस ने भारतीय खिलाड़ियों की बेंच स्ट्रेंथ बढ़ाई है। ऑक्शन में कुल 27 खाली स्लॉट में से 25 भरे गए, जबकि आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के पास एक-एक स्लॉट खाली रह गया। यूपी वॉरियर्ज ने ऑस्ट्रेलिया की सोफी मोलिन्यू को 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। मेग लैनिंग, फीबी लिचफील्ड और दीप्ति शर्मा जैसे खिलाड़ियों से टीम को मजबूती मिलेगी। हालांकि, विदेशी खिलाड़ियों के चयन और सही प्लेइंग इलेवन का फैसला चुनौती रहेगा। आरसीबी ने जेस जोनासन को 40 लाख रुपये में खरीदा। स्मृति मंधाना, एलिस पेरी और ऋचा घोष की मौजूदगी टीम की ताकत है। वहीं, नए बल्लेबाजों को मध्यक्रम में जिम्मेदारी निभानी होगी। दिल्ली कैपिटल्स ने किरण नवगिरे को 75 लाख रुपये में शामिल किया। शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स के साथ बल्लेबाजी मजबूत दिखती है, लेकिन बड़े मुकाबलों में दबाव संभालना अहम होगा। गुजरात जायंट्स ने जी कमालिनी और ऑली प्रेंडरगास्ट समेत तीन खिलाड़ियों पर 80 लाख रुपये खर्च किए। बेथ मूनी, एश्ले गार्डनर और सोफी डिवाइन टीम की प्रमुख ताकत हैं। मुंबई इंडियंस ने छह भारतीय खिलाड़ियों को खरीदा। हरमनप्रीत कौर, नैट साइवर-ब्रंट और अमेलिया केर टीम को मजबूती देती हैं, लेकिन युवा भारतीय बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर भी नजर रहेगी।

लुंगी-टीशर्ट में गांव पहुंचे संजय मिश्रा, सादगी ने जीता फैंस का दिल

दरभंगा के पैतृक गांव नारायणपुर में कुलदेवी का लिया आशीर्वाद

बरामदे में बैठे नजर आए दिग्गज अभिनेता

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता संजय मिश्रा एक बार फिर अपनी सादगी को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में वह बिहार के दरभंगा स्थित अपने पैतृक गांव नारायणपुर पहुंचे, जहां उनका देसी अंदाज देखने को मिला। बॉलीवुड में अपनी शानदार अदाकारी के लिए पहचान बनाने वाले संजय मिश्रा गांव में साधारण लुंगी और टी-शर्ट पहने नजर आए। इस दौरान उन्होंने किसी तरह का तामझाम नहीं किया और आम लोगों की तरह गांव में समय बिताया। गांव पहुंचने पर उन्होंने रिश्तेदारों और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। इसके बाद वह अपनी कुलदेवी के मंदिर पहुंचे और आशीर्वाद लिया। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह गांव के लोगों के साथ तस्वीरें खिंचवाते और एक घर के बरामदे में बैठे दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद फैंस उनकी सादगी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। इससे पहले भी संजय मिश्रा मंदिर की रंगाई-पुताई करते नजर आए थे। हाल ही में 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में उन्हें फिल्म 'भक्षक' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार मिला था। उस समय भी उन्होंने खुद अपने कपड़े प्रेस करके लोगों का दिल जीत लिया था।

केक वीडियो पर परिणीति ट्रोल, जेनिफर पर चुप्पी टूटी

अभिनेत्री ने कहा-'जेनी और मैं खूब हंसे'

जेनिफर विंगेट ने भी विवाद को बताया बेबुनियाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में परिणीति चोपड़ा और जेनिफर विंगेट ने सीरीज की सफलता का जश्न मनाया था। इस दौरान केक काटने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद कुछ यूजर्स ने परिणीति को ट्रोल करना शुरू कर दिया। वीडियो में जेनिफर उनके पीछे खड़ी दिखाई दीं। इसे लेकर दोनों अभिनेत्रियों के बीच अनबन और कैटफाइट की अटकलें लगने लगीं। अब परिणीति ने इन दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया पर साफ किया कि उनके और जेनिफर के बीच कोई विवाद नहीं है।

उन्होंने बताया कि दोनों वायरल वीडियो और उस पर हो रही चर्चाओं को देखकर खूब हंसीं। परिणीति ने जेनिफर की तारीफ करते हुए उन्हें अपनी पसंदीदा कलाकार और दोस्त बताया। साथ ही विवाद फैलाने वालों पर निशाना साधा। इससे पहले जेनिफर विंगेट भी सफाई दे चुकी थीं। उन्होंने बताया कि जगह कम होने के कारण वह पीछे हट गई थीं। जेनिफर ने कहा कि परिणीति हमेशा उनके साथ प्यार से पेश आई हैं और दोनों के बीच सिर्फ प्यार है। दोनों अभिनेत्रियां नेटफ्लिक्स की सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' में अहम भूमिकाओं में हैं।

अन्नू कपूर के कमेंट पर तमन्ना ने दिया करारा जवाब

अभिनेत्री के शरीर और रंग को लेकर अभिनेता ने की थी टिप्पणी

अब तमन्ना ने पहली बार रखी अपनी बात

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अभिनेता अन्नू कपूर के 'दूधिया बदन' वाले कमेंट पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह ऐसी बातों पर ध्यान देने के बजाय अपने काम और एक्टिंग करियर पर फोकस करती हैं। एनडीटीवी के एक कार्यक्रम में तमन्ना से उनके रंग और शरीर को लेकर की गई टिप्पणियों के बारे में सवाल पूछा गया था। तमन्ना ने कहा कि एक क्रिएटिव इंसान के लिए दूसरों की बातें सुनना जरूरी है, लेकिन यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि किस बात को महत्व देना है और किसे नजरअंदाज करना है। उन्होंने कहा कि वह अपने काम को सेवा की तरह करना चाहती हैं और पूरी लगन से अभिनय करती हैं। दरअसल, पिछले साल शुभंकर मिश्रा के साथ बातचीत में अन्नू कपूर ने फिल्म 'स्त्री 2' के गाने 'आज की रात' में तमन्ना की खूबसूरती और शरीर को लेकर टिप्पणी की थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। बाद में अन्नू कपूर ने सफाई देते हुए कहा था कि उनका इरादा गलत नहीं था। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि तमन्ना को उनकी बात बुरी लगी है, तो वह उनसे माफी मांगने के लिए तैयार हैं।

35 रन बनाते ही इतिहास रचेंगे अभिषेक शर्मा, ईशान किशन को देंगे मात

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में बड़ा रिकॉर्ड बनाने का मौका

साल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने की रेस हुई दिलचस्प

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में इतिहास रचने का मौका है। अगर वह इस मैच में 35 रन बना लेते हैं, तो साल 2026 में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। फिलहाल इस सूची में ईशान किशन 1159 रन के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा 1125 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। दोनों के बीच 34 रन का अंतर है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी20 मुकाबला 30 अक्टूबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। मौजूदा टी20 सीरीज में भी अभिषेक शानदार फॉर्म में हैं। वह अब तक 169 रन बना चुके हैं और ग्लेन फिलिप्स के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। अभिषेक ने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर में 70 मुकाबलों की 69 पारियों में 2240 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने चार शतक और 14 अर्धशतक लगाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 196.83 है। भारतीय बल्लेबाजों की सर्वाधिक टी20 इंटरनेशनल रन सूची में वह छठे स्थान पर हैं। केएल राहुल के 2265 रनों से आगे निकलने के लिए उन्हें 26 रन और बनाने होंगे।

चोटिल फर्ग्यूसन आखिरी दो टी-20 से बाहर

न्यूजीलैंड ने मैट फिशर को टीम में किया शामिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उनके दाएं पैर की पिंडली में चोट लगी है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को फर्ग्यूसन की जगह मैट फिशर को टीम में शामिल करने की जानकारी दी। सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम सीरीज में 3-0 से आगे है।

फर्ग्यूसन को 24 अक्टूबर को दूसरे टी-20 मैच के दौरान चोट लगी थी। स्कैन में उनकी पिंडली में मामूली खिंचाव की पुष्टि हुई है। उनकी वापसी में करीब एक सप्ताह लग सकता है। उन्होंने सीरीज के दो मुकाबलों में सिर्फ एक विकेट लिया है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी चोट के कारण टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। दूसरे मैच में उनकी दाईं जांघ के अगले हिस्से में दर्द हुआ था। उन्हें ठीक होने में एक से दो सप्ताह लग सकते हैं। हालांकि, मुख्य कोच रॉब वॉल्टर को उम्मीद है कि फर्ग्यूसन और हेनरी चार नवंबर से शुरू होने वाली वनडे सीरीज तक फिट हो जाएंगे। उधर, ब्रेट रैंडेल को न्यूजीलैंड ए टीम में शामिल किया गया है।

काजल ने रचा इतिहास, वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीता सिल्वर

नीलम सिरोही ने भी दिलाया रजत पदक

पहली बार एक ही चैंपियनशिप में दो भारतीय महिला पहलवान फाइनल में पहुंची

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय महिला पहलवान काजल ढोचक और नीलम सिरोही ने वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीते हैं। काजल ने 76 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में हैवीवेट कैटेगरी में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय पहलवान बन गई हैं। वहीं, नीलम ने 50 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। कजाकिस्तान के अस्ताना में आयोजित इस प्रतियोगिता में पहली बार एक ही संस्करण में दो भारतीय महिला पहलवान फाइनल तक पहुंचीं। 76 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में 18 वर्षीय काजल का सामना यूक्रेन की अनास्तासिया अल्पीयेवा से हुआ। पहले पीरियड में काजल 1-3 से पीछे थीं, लेकिन दूसरे पीरियड में उन्होंने वापसी करते हुए स्कोर 4-4 कर दिया। मुकाबला खत्म होने से करीब 20 सेकंड पहले यूक्रेनी पहलवान ने चार अंक हासिल कर बढ़त बना ली। काजल ने आखिरी पलों में दो अंक जुटाए, लेकिन मुकाबला 6-8 से हार गईं। इससे पहले उन्होंने सेमीफाइनल में किर्गिस्तान की ऐपेरी मेदेत क्यजी को 10-7 से हराया था। वहीं, 50 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में नीलम सिरोही को जापान की युई सुसाकी ने पिन-फॉल से हराया। सुसाकी ने मुकाबले में 5-0 की बढ़त बनाने के बाद जीत दर्ज की। नीलम ने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की जेनेप बयानोवा को 7-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले 2021 में अंशु मलिक ने विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। अब काजल और नीलम की उपलब्धि से भारतीय महिला कुश्ती को नई पहचान मिली है।

करवाचौथ पर मेंहदी लगाकर लखनऊ की सड़कों पर उतरी नर्सें

लखनऊ में 21 दिनों से दो घंटे का कार्य बहिष्कार चलनी से दिखाईं पांच मांगें

मांगें पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में गुरुवार को करवा चौथ के दिन नर्सों ने सरकार के खिलाफ अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। बलरामपुर अस्पताल समेत प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में राजकीय नर्सेस संघ के सदस्यों ने दो घंटे का कार्य बहिष्कार किया। महिला नर्सें हाथों में मेहंदी लगाकर और दुल्हन की तरह सज–संवरकर प्रदर्शन में पहुंचीं। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और चलनी के जरिए अपनी पांच सूत्रीय मांगें दिखाईं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार ने मांगें पूरी करने का वादा किया था, लेकिन अब तक उस पर अमल नहीं हुआ है। राजकीय नर्सेस संघ उत्तर प्रदेश के महामंत्री अशोक कुमार ने बताया कि करीब एक साल पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बलरामपुर अस्पताल परिसर में नर्सों की मांगें पूरी करने का आश्वासन दिया था। सहमति बनने के बावजूद शासनादेश जारी करने में देरी हो रही है। इसी के विरोध में नर्सें पिछले 21 दिनों से रोजाना दो घंटे का कार्य बहिष्कार कर रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर नर्सों को अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए मजबूर होना पड़ेगा। संघ की कोषाध्यक्ष गीतांशु वर्मा ने कहा कि करवा चौथ पर निर्जला व्रत रखने के बावजूद महिलाओं को अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन करना पड़ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि महिला सम्मान और सशक्तिकरण की बात करने वाली सरकार में महिलाओं को अपनी समस्याओं के लिए सड़कों पर क्यों उतरना पड़ रहा है। नर्सों की पांच प्रमुख मांगों में गृह जनपद में तैनाती और स्थानांतरण, नर्सिंग कैडर में सभी स्तरों पर पदोन्नति, कर्मचारियों के बच्चों के लिए क्रेच, उच्च शिक्षा के लिए सवेतन अवकाश और मेडिकल कॉलेजों में बदले गए जिला अस्पतालों के नर्सिंग कर्मचारियों का समायोजन शामिल है। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से मांगें पूरी करने की अपील की।

आगरा में मजदूरों का हंगामा, 26 हजार की जगह मिल रहे 12 हजार

जूता फैक्ट्री पर पीएफ ईएसआई और ओवरटाइम का पैसा नहीं देने का आरोप

जांच के बाद कार्रवाई का दिया आश्वासन

यूनिक समय, आगरा। आगरा के सदर स्थित ग्लोबल शू फैक्ट्री में मजदूरों को कम वेतन देने और श्रम कानूनों के उल्लंघन का मामला सामने आया है। गुरुवार को सैकड़ों मजदूर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष अमित सिंह के नेतृत्व में सदर माल रोड स्थित लेबर कमिश्नर कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर निर्धारित वेतन दिलाने और फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मजदूरों का आरोप है कि उन्हें श्रम विभाग के नियमानुसार 26 हजार रुपये मासिक वेतन मिलना चाहिए, लेकिन कंपनी केवल 12 हजार रुपये दे रही है। इसके अलावा पीएफ, ईएसआई और ओवरटाइम का भुगतान भी नहीं किया जा रहा है। मजदूरों के मुताबिक, वेतन बढ़ाने की मांग करने पर प्रबंधन नौकरी छोड़ने की बात कहता है। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि फैक्ट्री में 300 से अधिक मजदूर काम करते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कर्मचारियों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। पिछले तीन साल से काम कर रहे मजदूर रामबाबू ने कहा कि कम वेतन में महंगाई के बीच परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। शिकायत करने पर नौकरी से निकालने की धमकी मिलने का भी आरोप लगाया गया। लेबर कमिश्नर ने शिकायत पर जांच कराने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि कंपनी के वेतन रजिस्टर और संबंधित दस्तावेजों की जांच की जाएगी। अनियमितता मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अमित सिंह ने चेतावनी दी कि एक सप्ताह में कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस मजदूरों के साथ फैक्ट्री के बाहर बड़ा आंदोलन करेगी।

कभी फर्जी आरटीओ तो कभी एमडीए अफसर बनकर वसूली

शाहिद पर दुकानदारों और वाहन चालकों को धमकाने का आरोप

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

यूनिक समय, मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में सरकारी अधिकारी बनकर कथित तौर पर वसूली करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि शाहिद नाम का एक व्यक्ति कभी खुद को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) का अधिकारी बताकर हाईवे पर वाहनों को रोकता है, तो कभी मुरादाबाद विकास प्राधिकरण (एमडीए) का अफसर बनकर दुकानदारों पर रौब जमाता है। इस मामले से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद चर्चा तेज हो गई है। आरोप है कि शाहिद स्टिकर लगी गाड़ी में घूमता है और दुकानदारों को अतिक्रमण या नक्शा पास नहीं होने का हवाला देकर कार्रवाई की धमकी देता है। बताया जा रहा है कि कार्रवाई के डर से कुछ दुकानदार उसे पैसे देने को मजबूर हो जाते हैं। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले भी शाहिद पर फर्जी आरटीओ अधिकारी बनकर वसूली करने के आरोप लगे थे। वायरल वीडियो में उसे रात के समय दिल्ली–मुरादाबाद हाईवे पर वाहन रोकते हुए दिखाए जाने का दावा किया जा रहा है। अब कथित तौर पर एमडीए अधिकारी बनकर वसूली करने का वीडियो सामने आने से मामला और गंभीर हो गया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन की कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। लोगों के बीच चर्चा है कि आखिर कोई व्यक्ति अलग–अलग सरकारी विभागों का अधिकारी बनकर कैसे घूम रहा था। फिलहाल, मामले में आरोपों की आधिकारिक पुष्टि और प्रशासन की कार्रवाई से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

प्रयागराज में जमीन खोदते ही तीन ड्रम में निकले करोड़ों रुपये

झगड़े के बाद मिली काले धन की सूचना पर छापा

करीब 3 से 4 करोड़ रुपये बरामद होने का अनुमान

यूनिक समय, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के नवाबगंज क्षेत्र के बरईपुर गांव में पुलिस ने एक घर के अंदर जमीन में दबाकर रखी गई भारी मात्रा में नकदी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, तीन स्टील के ड्रमों में 500 रुपये के नोटों की गड्डियां भरी हुई थीं।

बरामद रकम करीब तीन से चार करोड़ रुपये होने का अनुमान है। मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, घर में यादव परिवार रहता है। परिवार के राकेश यादव और राजेश यादव पहले पुणे में नौकरी करते थे। बताया जा रहा है कि गांव में एक दिन पहले हुए विवाद के दौरान पुलिस को घर में कथित काला धन छिपाकर रखने की सूचना मिली थी।

इसके बाद मुखबिर की जानकारी पर पुलिस ने घर में छापा मारा। पुलिस ने एक कमरे में खुदाई कराई। करीब पांच मीटर नीचे काली पन्नी में लिपटे तीन छोटे स्टील के ड्रम मिले। इन्हें खोलने पर नोटों की गड्डियां बरामद हुईं। पुलिस ने नकदी जब्त कर आयकर विभाग को सूचना दे दी है।

बताया जा रहा है कि दोनों भाई वर्ष 2020 में पुणे से गांव लौटे थे। इसके बाद उन्होंने जमीनें खरीदीं और नया ट्रैक्टर भी लिया था। पुलिस अब बरामद रकम के स्त्रोत का पता लगा रही है।

हिरासत में लिए गए व्यक्ति से पूछताछ जारी है। संबंधित कंपनी और आय के अन्य स्त्रोतों की भी जांच की जा रही है। फिलहाल घर को सील कर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

वाराणसी पहुंची देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

31 अक्टूबर से दिल्ली वाराणसी के बीच दौड़ेगी ट्रेन

सीसीटीवी, ऑटोमैटिक दरवाजे और लग्जरी बर्थ जैसी सुविधाएं मिलेंगी

यूनिक समय, प्रयागराज। वाराणसी और नई दिल्ली के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर है। देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का रेक वाराणसी जंक्शन पहुंच गया है। 31 अक्टूबर को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे हरी झंडी दिखाएंगे। ट्रेन के उद्घाटन रन के बाद नियमित सेवा शुरू होगी। 16 कोच वाली इस ट्रेन में कुल 823 यात्रियों के सफर करने की क्षमता है। इसमें 11 थर्ड एसी, चार सेकेंड एसी और एक फर्स्ट एसी कोच शामिल हैं। ट्रेन को अधिकतम 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के हिसाब से डिजाइन किया गया है। बेहतर सस्पेंशन के कारण तेज गति में भी यात्रियों को आरामदायक सफर मिलने का दावा किया गया है। सुरक्षा के लिए ट्रेन में सीसीटीवी कैमरे, सेंसर वाले ऑटोमैटिक दरवाजे, फायर सेफ्टी सिस्टम और सिक्योरिटी अलार्म लगाए गए हैं। बर्थ पर बेहतर कुशनिंग के साथ चार्जिंग पॉइंट और रीडिंग लाइट जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी। सभी कोच में बायो टॉयलेट हैं, जबकि फर्स्ट एसी में शॉवर की व्यवस्था भी दी गई है। निर्धारित समय–सारिणी के अनुसार, वाराणसी से ट्रेन रात 8:50 बजे रवाना होकर अगली सुबह 6:10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। रास्ते में प्रयागराज और कानपुर में ठहराव होगा। वापसी में नई दिल्ली से रात 9:40 बजे चलकर ट्रेन सुबह 7:10 बजे वाराणसी पहुंचेगी। यह सेवा सप्ताह में छह दिन संचालित होगी।

कानपुर में कारोबारी को 2 साल बंधक रखने का आरोप

150 करोड़ की संपत्ति हड़पने का दावा

ड्रग्स देकर दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराने के मामले में तीन आरोपी जेल भेजे गए

यूनिक समय, मुरादाबाद। कानपुर में कारोबारी प्रणवपत सिंघानिया ने बिल्डर सुयश अस्थाना और उसके साथियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि उन्हें करीब दो साल तक अलग–अलग होटलों में बंधक बनाकर रखा गया और दिन में दो बार ड्रग्स के इंजेक्शन दिए जाते थे।

आरोप है कि नशे की हालत में उनकी करोड़ों रुपये की संपत्तियों के दस्तावेजों पर जबरन हस्ताक्षर कराए गए। मामले में सुयश अस्थाना, रमित मिश्रा और बृजेंद्र नाथ मिश्रा को जेल भेजा गया है। प्रणवपत के मुताबिक, उनकी सुयश से दोस्ती 2020 में हुई थी।

मई 2024 में मिलने के लिए बुलाने के बाद उन्हें कथित तौर पर जबरन गाड़ी में बैठाकर होटल ले जाया गया। उनका आरोप है कि स्वरूप नगर के रॉयल क्लिफ और रिजेंटा होटल में उन्हें रखा गया तथा परिवार से मिलने तक नहीं दिया गया। ड्रग्स की मांग पूरी करने के बदले संपत्ति के कागजों पर हस्ताक्षर कराने का भी आरोप लगाया गया है। कारोबारी ने दावा किया कि कोपरगंज और राधाकुंज स्थित संपत्तियों के सौदों में भारी अनियमितताएं हुईं।

उनके मुताबिक, करीब 150 करोड़ रुपये की संपत्ति को बहुत कम कीमत पर अपने नाम कराने की कोशिश की गई। बैंक खातों से रकम दूसरे लोगों के खातों में भेजे जाने का आरोप भी लगाया गया है।

पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर से मिलकर अपनी शिकायत रखी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। संपत्तियों के वास्तविक मूल्य, दस्तावेजों और लेनदेन की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

आगरा में 59 अमान्य स्कूल बंद करने का आदेश

बिना मान्यता चल रहे विद्यालयों पर एक–एक लाख रुपये जुर्माना

यूनिक समय, आगरा। आगरा में बिना मान्यता के स्कूल संचालित करने वालों के खिलाफ बेसिक शिक्षा विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। विभाग ने जिले के छह विकास खंडों में चल रहे 59 अमान्य विद्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है। प्रत्येक स्कूल पर एक–एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) डॉ. राकेश सिंह ने संबंधित खंड शिक्षाधिकारियों को जुर्माने की वसूली कराने और स्कूलों का संचालन बंद कराने के निर्देश दिए हैं। विभागीय जांच में सामने आया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कई विद्यालय बिना जरूरी मान्यता के संचालित किए जा रहे थे। इनमें बाह विकास खंड में सबसे ज्यादा 15 अमान्य स्कूल मिले हैं। कार्रवाई पूरी होने के बाद इसकी रिपोर्ट भी विभाग को सौंपनी होगी। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार, बिना मान्यता के विद्यालय चलाना शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 और उत्तर प्रदेश शिक्षा का अधिकार नियमावली, 2011 के प्रावधानों के खिलाफ है। इस कदम का उद्देश्य नियमों का पालन सुनिश्चित करना और अमान्य विद्यालयों के संचालन पर रोक लगाना है।

इंडिया ब्लॉक से गठबंधन कर सकती है सीजेपी, कार्यकर्ताओं से मांगा फीडबैक

एक नवंबर की रैली को समर्थन

राहुल गांधी ने छात्र संगठनों से दिल्ली मार्च में शामिल होने की अपील की

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक की ओर से एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली का समर्थन किया है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता इस रैली में शामिल हो सकते हैं। इसके साथ ही सीजेपी इंडिया ब्लॉक के साथ गठबंधन करने की संभावनाओं पर भी विचार कर रही है। इसके लिए पार्टी अपने कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेगी। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्र संगठनों से भी एक नवंबर को होने वाले दिल्ली चलो मार्च में शामिल होने की अपील की।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि प्रदर्शन में पुलिस की कार्रवाई या लाठीचार्ज की चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह किसी एक राजनीतिक पार्टी का मार्च नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। राहुल ने लोगों से अपील की कि अगर उन्हें लगता है कि देश के लोकतंत्र, विचारों की स्वतंत्रता और अपनी बात रखने के अधिकार पर हमला हो रहा है, तो उन्हें इस मार्च में जरूर शामिल होना चाहिए। रैली की तैयारियों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक भी हो रही है। इसमें प्रियंका गांधी वाड्रा समेत गठबंधन के कई नेता शामिल हुए। विपक्षी गठबंधन विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहा है। इसी क्रम में विपक्ष शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सार्वजनिक महाभियोग कार्यक्रम आयोजित करेगा। कार्यक्रम दोपहर 3:30 बजे दिल्ली के 10 राजाजी मार्ग पर होगा। पहले इसके लिए दूसरी जगह चुनी गई थी, लेकिन अनुमति नहीं मिलने के कारण स्थान बदलना पड़ा। यह कार्यक्रम एक नवंबर की रैली से पहले आयोजित किया जाएगा। विपक्ष चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है।

नागपुर में कांग्रेस की जीत से बीजेपी को झटका, फडणवीस पर साधा निशाना

कांग्रेस का दावा-नतीजे आने से पहले पीएम मोदी का पोस्ट शेयर कर फडणवीस ने किया था तंज

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की है। इस जीत के बाद पार्टी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा। कांग्रेस ने दावा किया कि फडणवीस ने चुनाव के पूरे नतीजे आने से पहले सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया था, लेकिन बाद में उसे डिलीट कर दिया। पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संदेश का जिक्र था, जिसमें चार राज्यों की 28 विधान परिषद सीटों के चुनाव में कांग्रेस की जीत को लेकर सवाल उठाया गया था। कांग्रेस के मुताबिक, फडणवीस ने तंज कसते हुए लिखा था कि कांग्रेस कम से कम एक चीज में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, नागपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार अभिजीत वंजारी की जीत के बाद पार्टी ने पलटवार किया। नागपुर को फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का गृह क्षेत्र तथा भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता है। नागपुर सीट पर 23 अक्टूबर को मतदान हुआ था। 27 अक्टूबर को शुरू हुई मतगणना 29 अक्टूबर की सुबह पूरी हुई। गिनती 40 घंटे से ज्यादा चली। पहली वरीयता के वोटों में भाजपा उम्मीदवार सुधाकर कोहले को 60,924 और वंजारी को 56,630 वोट मिले थे। किसी को जरूरी कोटा नहीं मिलने पर दूसरी वरीयता के वोट गिने गए, जिसमें वंजारी ने जीत हासिल की। वंजारी ने 2020 में भी यह सीट जीती थी। जीत के साथ उन्होंने विधान परिषद में लगातार दूसरा कार्यकाल हासिल कर लिया।

कोलकाता भगदड़ मामला-कपड़े, मेकअप बचाने के लिए गेट पर जमा हुईं थी महिलाएं

पुलिस का दावा-बारिश के दौरान बढ़ी भीड़ से मची अफरा-तफरी

पंडाल गिरने की अफवाह फैलाने के आरोप में दो गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में 17 अक्टूबर को हुई भगदड़ में 19 लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस के मुताबिक, बारिश के दौरान महिलाएं अपने कपड़े और मेकअप बचाने के लिए बाहर निकलने वाले गेट के पास जमा हो गई थीं। देखते ही देखते वहां भीड़ बढ़ गई और धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इसी दौरान लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे, जिससे भगदड़ मच गई। घटना शाम करीब 7:30 बजे हुई थी। मामले में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि गेट से करीब 11 फीट दूर सबसे पहले एक व्यक्ति गिरा था। जांच अधिकारी यह भी पता लगा रहे हैं कि पंडाल में पर्याप्त महिला वॉलंटियर और पुलिसकर्मी तैनात थे या नहीं। पुलिस ने पंडाल का एक हिस्सा गिरने की घोषणा कर अफरा-तफरी फैलाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके आवाज के नमूने लेने के लिए अदालत से अनुमति मांगी जा सकती है। पुलिस पंडाल तैयार करने वाले कलाकार से भी पूछताछ कर चुकी है। इसके अलावा निजी सुरक्षा एजेंसी के कर्मचारियों और उनके पास मौजूद मैनपैक रेडियो की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगा रही है कि भीड़ बढ़ने की सूचना प्रशासन तक समय पर पहुंची थी या नहीं और आपात स्थिति में सुरक्षा कर्मियों ने क्या कदम उठाए। जांच में यह भी स्पष्ट किया जा रहा है कि पंडाल गिरने की अफवाह किसने और क्यों फैलाई। पुलिस के मुताबिक, इस घोषणा के बाद लोगों में घबराहट बढ़ी और स्थिति बेकाबू हो गई।

ट्रंप बोले-मेरे समर्थन से पलटा नेतन्याहू के चुनाव का पासा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उनके समर्थन से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की चुनावी स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। ट्रंप के मुताबिक, नेतन्याहू की संभावित करारी हार अब बराबरी के मुकाबले या जीत में बदल सकती है। उन्होंने कहा कि उनके समर्थन के बाद चुनाव की तस्वीर बदलती दिखाई दे रही है। हालांकि, चुनाव के अंतिम नतीजे आने तक स्थिति स्पष्ट नहीं होगी। देश की 120 सदस्यीय संसद नेसेट में सरकार बनाने के लिए किसी गठबंधन को कम से कम 61 सीटों की जरूरत होती है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, कोई भी गठबंधन इस आंकड़े तक पहुंचता नहीं दिख रहा है। नेतन्याहू ने दक्षिणपंथी पार्टियों से एकजुट होकर नई सरकार बनाने की अपील की है। दूसरी ओर, विपक्षी नेता गादी आइसेनकोट का कहना है कि मतदाताओं ने नेतन्याहू के नेतृत्व को नकार दिया है। स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने की स्थिति में इजरायल में गठबंधन सरकार बनाने के लिए लंबी राजनीतिक बातचीत हो सकती है।

चुनाव हारते ही ब्राजील छोड़ मियामी पहुंचे फ्लावियो बोल्सोनारो

पत्नीऔर दो बेटियों के साथ देश से बाहर गए नेता

भ्रष्टाचार, धनशोधन और टैक्स चोरी के आरोपों की जांच जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में हार का सामना करने वाले उम्मीदवार फ्लावियो बोल्सोनारो परिवार के साथ देश छोड़कर अमेरिका के मियामी पहुंच गए हैं। 45 वर्षीय फ्लावियो बुधवार को अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ मियामी पहुंचे। चुनाव में मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने जीत दर्ज की है, लेकिन फ्लावियो ने उनकी हार स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। उड़ान संबंधी आंकड़ों और अर्जेंटीना के अधिकारियों के मुताबिक, फ्लावियो मंगलवार को परिवार के साथ पहले अर्जेंटीना और फिर इक्वाडोर गए। इसके बाद वह मियामी पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी माने जाने वाले फ्लावियो ने मई में व्हाइट हाउस का दौरा किया था। ट्रंप प्रशासन ने इसी सप्ताह उन्हें और उनके परिवार को अमेरिकी वीजा देने की मंजूरी दी थी। फ्लावियो ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट की जांच के दायरे में हैं। उन पर भ्रष्टाचार, धनशोधन और कर चोरी के आरोप हैं। अदालत ने मंगलवार दोपहर तक उन्हें अपना सामान्य और राजनयिक पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था। हालांकि, उन्होंने आदेश का पालन किया या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। 25 अक्टूबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे चरण में लूला को 51.79 प्रतिशत, जबकि फ्लावियो को 48.21 प्रतिशत वोट मिले। लूला ने करीब 44 लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

चक्रवात अर्नब से दो राज्यों में पांच मौतें, 15 राज्यों में बारिश का अलर्ट

आंध्र-ओडिशा में पेड़ उखड़े सड़कें-पुल टूटे, एमपी राजस्थान में बढ़ेगी ठंड

छत्तीसगढ़ के 12 जिलों में स्कूल बंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान अर्नब का असर देश के कई राज्यों में दिखाई दे रहा है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में तूफान के कारण अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। तेज हवाओं और भारी बारिश से कई जगह पेड़ उखड़ गए, जबकि पुल और सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश समेत 15 राज्यों में बुधवार रात से बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिनों तक बारिश का दौर जारी रह सकता है। तूफान मंगलवार देर रात करीब 3:30 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। इस दौरान 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अर्नब कमजोर होकर डीप डिप्रेशन में बदल गया है। गुरुवार सुबह तक इसके डिप्रेशन और शाम तक कम दबाव वाले क्षेत्र में बदलने की संभावना है। भारी बारिश की आशंका के चलते छत्तीसगढ़ के 12 और ओडिशा के 16 जिलों में गुरुवार को स्कूल बंद रखे गए हैं। ओडिशा में करीब 30 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। गंजाम जिले में लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं, जबकि गजपति में कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मध्य प्रदेश के भोपाल, ग्वालियर

समेत 12 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। राजस्थान के 27 जिलों में बारिश की चेतावनी जारी की गई है। सीकर और फतेहपुर में रात का तापमान 10 डिग्री तक पहुंच गया है। उत्तराखंड के केदारनाथ में बर्फबारी के कारण हेलीकॉप्टर सेवा रोक दी गई है। हरियाणा के 15 जिलों और बिहार के 26 जिलों में भी बारिश का अलर्ट है। पंजाब और चंडीगढ़ में अगले दो दिन आंधी, बारिश और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की आशंका जताई गई है।

कैंसर की 80 हजार वाली दवा अब 7,150 में मिलेगी

543 दवा ब्रांड और पैक की कीमतों में बदलाव 397 के दाम घटे

नई कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में कैंसर के मरीजों को दवाओं की कीमतों में बड़ी राहत मिलने जा रही है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के फैसले के बाद कैंसर की 543 दवा ब्रांडों और पैक की कीमतों में बदलाव किया गया है। इनमें 397 दवाओं के दाम घटाए गए हैं, जबकि 146 की कीमतें पहले जैसी रहेंगी। नई कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी। कीमतों में सबसे बड़ी कटौती सैमटेपा इंजेक्शन में हुई है। इसकी कीमत 80,071 रुपये से घटाकर 7,150 रुपये कर दी गई है। वहीं, पैलबोप्रो के 21 कैप्सूल वाले पैक की कीमत 40,421 रुपये से घटकर 2,720 रुपये हो गई है। कुल 217 दवाओं की कीमत आधी से भी कम कर दी गई है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने दवाओं की ऊंची कीमतों और कंपनियों के मुनाफे पर सवाल उठाए थे। सरकार ने 137 एंटी-कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 प्रतिशत तक सीमित किया है। हालांकि, कीटूडा जैसी कुछ महंगी दवाओं की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। इसकी कीमत अभी भी 2,16,500 रुपये है। रिबोसाइक्लिब समेत कई अन्य दवाओं के दाम भी पहले जैसे बने हुए हैं।

पीसीआर नियमों में बदलाव से कारोबारियों को राहत, पैकिंग पर सवाल

गिफ्ट पैकेटों पर जरूरी घोषणाओं की अनदेखी, विभाग की कार्रवाई नोटिस तक सीमित

समन शुल्क की वसूली प्रभावित उपभोक्ताओं को उत्पाद की सही जानकारी मिलने पर संकट

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर बाजार गिफ्ट पैकेटों से पटे हैं, लेकिन आकर्षक पैकिंग के बीच जरूरी घोषणाओं के अनुपालन पर सवाल उठ रहे हैं। मिठाई, ड्राई फ्रूट्स, चॉकलेट और अन्य उपहारों के पैकेटों पर निर्माता का नाम–पता, वजन और अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) जैसी जानकारियां निर्धारित मानकों के अनुरूप दर्ज होना जरूरी है। पैकेज्ड कमोडिटीज रूल्स (पीसीआर) में बदलाव के बाद बांट–माप विभाग की दंडात्मक कार्रवाई सीमित होने का मुद्दा भी सामने आया है।

पैकेजिंग नियमों का उद्देश्य उपभोक्ताओं को उत्पाद की मात्रा, कीमत और निर्माता संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराना है। इन्हीं घोषणाओं के आधार पर ग्राहक उत्पाद की पहचान और कीमत की तुलना कर सकता है।

त्योहारी सीजन में सजावटी डिब्बों और गिफ्ट पैक की मांग बढ़ने के बीच इन जानकारियों के अनुपालन पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, बाजार में नियमों के उल्लंघन के मामलों की संख्या का कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं कराया गया है।

बांट-माप विभाग के निरीक्षक पवन कुमार यादव के अनुसार, पीसीआर कानून में बदलाव के बाद विभाग संबंधित कंपनी को तीन सुधारात्मक नोटिस जारी कर सकता है। उनके मुताबिक, पहले नोटिस के बाद दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान था।

कार्रवाई की प्रक्रिया में बदलाव से नियमों का पालन कराने और उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई को लेकर चुनौतियां सामने आ रही हैं।

निरीक्षक पवन कुमार यादव ने बताया कि कानून में बदलाव का असर विभाग की समन शुल्क वसूली पर भी पड़ा है। विभाग निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष वसूली नहीं कर पा रहा है। वहीं, पैकेटों पर जरूरी घोषणाएं दर्ज नहीं होने की स्थिति में उपभोक्ताओं के लिए वस्तु की वास्तविक मात्रा, कीमत और निर्माता संबंधी जानकारी की पुष्टि करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में त्योहार के दौरान गिफ्ट पैकेट खरीदते समय ग्राहकों को लेबल पर दर्ज विवरण जरूर देखना चाहिए।

बांट–माप विभाग के निरीक्षक पवन कुमार यादव ने बताया कि पीसीआर कानून में बदलाव के बाद विभाग कंपनियों को तीन सुधारात्मक नोटिस जारी कर सकता है। पहले दंडात्मक कार्रवाई की जाती थी। बदलाव का असर समन शुल्क की राजस्व वसूली पर भी पड़ा है।

षष्ठम पुण्यतिथि

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्

आज आपकी षष्ठम पुण्यतिथि पर हम सब परिवारीजन श्रद्धानवत् एवं अश्रुपूरित नेत्रों से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

स्व. श्री टीकाराम शर्मा
30-10-2020

श्रद्धानवत्

शैलेंद्र शर्मा-ममता शर्मा, देवेंद्र शर्मा-जमुना कुमारी,
अरविन्द शर्मा-यशोदा शर्मा (पुत्र-पुत्रवधू),
डॉ. सरला शर्मा-संजय शर्मा (पुत्री-दामाद), यजन, योगी, श्रुति,
आध्या, समज्ञा (नाती-नातिन), श्रद्धा एवं निष्ठा शर्मा (धेवती) एवं समस्त परिवार

गायत्री परिवार शाखा 15-एबी, कृष्णा नगर, मथुरा | मो.: 9690617431

शराब तस्करी के विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

नशे में भिड़े युवक फायरिंग से मची अफरातफरी

आरोपियों पर मुकदमा दर्ज, गिरफ्तारी के लिए दबिश

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के महोली में शराब तस्करी को लेकर हुए विवाद में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शराब के नशे में हुए झगड़े के दौरान फायरिंग से इलाके में अफरातफरी मच गई। घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि महोली निवासी रोहतास और विकास के बीच शराब तस्करी को लेकर विवाद था। नशे में हुए झगड़े के दौरान विकास ने रोहतास को गोली मार दी। गोली लगने से रोहतास गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में विकास और उसके साथियों के खिलाफ थाना हाईवे में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। एसपी सिटी के अनुसार, विकास का आपराधिक इतिहास है और उसके खिलाफ तीन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ब्रजरज उत्सव में स्वदेशी का जलवा खादी के नए रंगों पर रीझे खरीदार

आधुनिक फैशन के साथ पारंपरिक कारीगरी का संगम बना आकर्षण

ग्रामोद्योगी स्टॉलों पर हस्तनिर्मित आभूषण और देसी उत्पादों की धूम

यूनिक समय, मथुरा। ब्रजरज उत्सव में ब्रज की सांस्कृतिक छटा के साथ स्वदेशी उत्पादों का रंग भी चटख हो रहा है। यहां खादी अब सादगी तक सीमित नहीं, बल्कि आधुनिक फैशन के साथ खरीदारों को आकर्षित कर रही है। 23 अक्टूबर से शुरू हुए उत्सव में खादी के परिधानों और ग्रामोद्योगी उत्पादों के स्टॉलों पर लोगों की रुचि दिखाई दे रही है। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड ने खादी उत्पादों की बिक्री के लिए 10 स्टॉल लगवाए हैं। यहां पारंपरिक कपड़ों के साथ बदलते फैशन के अनुरूप तैयार परिधान भी उपलब्ध हैं। वहीं, ग्रामोद्योगी उद्यमियों के लिए आवंटित 10 अतिरिक्त स्टॉलों पर हस्तनिर्मित आभूषण, मिट्टी के उत्पाद, हर्बल सामग्री, जैविक गुड़ और अगरबत्ती जैसे सामान बिक्री के लिए रखे गए हैं। इन उत्पादों में पारंपरिक कारीगरी के साथ ग्रामीण उद्यमियों की मेहनत भी झलक रही है। खादी और ग्रामोद्योगी सामान की बिक्री के जरिए स्थानीय कारीगरों, छोटे उद्यमियों और स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहन देने का प्रयास किया जा रहा है। ब्रजरज उत्सव में सजे ये स्टॉल स्वदेशी को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय हुनर को बाजार उपलब्ध करा रहे हैं।

वन गमन लीला देख श्रद्धालु हुए भावुक

वन गमन लीला मंचन के दौरान मौजूद पदाधिकारी।

यूनिक समय, वृंदावन। रामलीला कमेटी वृंदावन ट्रस्ट के रामलीला महोत्सव के छठे दिन बुधवार रात को कैकई-मंथरा संवाद, राम वन गमन और केवट प्रसंग का भावपूर्ण मंचन हुआ। रंगनाथ मंदिर के बड़ा बगीचा में प्रस्तुत मार्मिक दृश्यों ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नारायण दास अग्रवाल कंठी माला वाले और ब्रजेश गुप्ता ने भगवान राम दरबार के चित्रपट का पूजन और पुष्पार्चन कर किया। उन्होंने कहा कि भगवान राम के आदर्शों को जीवन में अपनाकर समाज को एक सूत्र में बांधा जा सकता है। राधा सर्वेश्वर लीला संस्थान के संचालक आचार्य सौरभ द्विवेदी के आचार्यत्व में कैकई-मंथरा और दशरथ-कैकई संवाद के बाद माता सीता-लक्ष्मण के साथ भगवान राम के वन गमन का मंचन हुआ। केवट प्रसंग ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इससे पूर्व गुरुकुल मार्ग स्थित कृष्ण साधक ट्रस्ट में राम-जानकी के कन्यादान और कुंवर कलेवा की लीला प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में आलोक बंसल, भीमसेन अग्रवाल, अनिल गौतम, लक्ष्मीनारायण दीक्षित, बंशी तिवारी सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

दिल्ली रैली के लिए कांग्रेस ने झोंकी ताकत, पांच हजार कार्यकर्ता जाएंगे

पार्टी कार्यालय पर बैठक में विचार रखते जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर।

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को प्रस्तावित कांग्रेस की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सेठबाड़ा स्थित जिला कार्यालय पर हुई बैठक में रैली में मथुरा से पांच हजार कार्यकर्ताओं को ले जाने का लक्ष्य तय किया गया। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से आए पर्यवेक्षक आबिद कश्मीरी और कोऑर्डिनेटर राम टंडन भी मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए आबिद कश्मीरी और राम टंडन ने कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची में कथित तौर पर अनियमित तरीके से नाम जोड़ने और हटाने के आरोपों को लेकर कांग्रेस लगातार सवाल उठा रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की जवाबदेही का मुद्दा भी उठाया जा रहा है। इसी को लेकर एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली आयोजित की जाएगी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश धनगर और पूर्व मंत्री-वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि रैली में मथुरा जनपद की भागीदारी महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक ब्लॉक से 50 छोटी गाड़ियां और दो बसें दिल्ली भेजने की योजना है। रैली में कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए पदाधिकारियों और ब्लॉक अध्यक्षों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।बैठक का संचालन पूर्व जिला अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि ने किया। इस दौरान जिला महासचिव मनोज गौड़, रमेश कश्यप, रवि वाल्मीकि, ब्लॉक अध्यक्ष पंकज चौधरी, राजकुमार तिवारी, हरदेव सिंह, दीपक सिंह, केशव सिंह, प्रमोद पाठक, हुबब लाल बघेल, गंगा चरण दीक्षित, हाशिम, हुमेर, अजीम शाह, प्रवीण पाठक, मुन्ना लाल वर्मा और मनीष बंसल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यादव तिराहे पर ई–रिक्शा का कब्जा, रोजाना लग रहा जाम

सुबह से शाम तक बनी रहती है परेशानी

ट्रैफिक पुलिस तैनाती की मांग

यूनिक समय, मथुरा। शहर के वार्ड 60 स्थित यादव तिराहे पर सड़क घेरकर खड़े होने वाले ई–रिक्शा लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि यहां दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे स्कूली बच्चों, राहगीरों, व्यापारियों और नौकरीपेशा लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है।

स्थानीय निवासी पवन कुमार ने बताया कि तिराहे पर पर्यटक बसों के पहुंचते ही ई–रिक्शा चालक सवारियां बैठाने के लिए आसपास जमा हो जाते हैं। एक साथ आठ से दस ई–रिक्शा सड़क पर खड़े होने से रास्ता बाधित हो जाता है। विरोध करने पर कुछ चालक बहस करने लगते हैं।

स्थानीय निवासी परमजीत सिंह ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। सड़क पर ई–रिक्शा खड़े रहने से बच्चों और राहगीरों को भी परेशानी झेलनी पड़ती है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से यादव तिराहे पर स्थायी रूप से यातायात पुलिस तैनात करने और ई–रिक्शा के लिए अलग स्टैंड बनाने की मांग की है, ताकि जाम से राहत मिल सके और आवागमन सुचारु हो।

रुक्मिणी विहार के फ्लैट जर्जर, हादसे को न्योता दे रहीं टूटी बालकनियां

स्ट्रीट लाइट गायब, नालियां बदहाल, गंदे पानी की आपूर्ति से लोग परेशान

सेक्टर–2 के बाशिंदों की सुरक्षा दांव पर, मरम्मत और सुविधाओं की मांग

यूनिक समय, वृंदावन। रुक्मिणी विहार सेक्टर-2 के फ्लैटों की बदहाली अब लोगों की सुरक्षा पर भारी पड़ने लगी है। कहीं इमारतों का बाहरी प्लास्टर उखड़कर गिर रहा है तो कहीं छतों की सीढ़ियों के पास बनी बालकनियां टूटी पड़ी हैं। सड़कों पर स्ट्रीट लाइट का अभाव रात में आवाजाही मुश्किल बना रहा है। वहीं, नालियों की बदहाल स्थिति और घरों में मिट्टी मिला गंदा पानी आने की शिकायतों ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी के बीच उन्हें रोजमर्रा की समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

प्लास्टर खराब होने से जर्जर होते आवास।

ब्लॉक नंबर-12 निवासी ऊषा देवी ने बताया कि फ्लैटों की हालत लगातार खराब हो रही है। कई स्थानों पर छतों की ओर जाने वाली सीढ़ियों के आसपास बनी बालकनियां क्षतिग्रस्त हैं। ऐसे में जरा सी चूक किसी व्यक्ति को भारी पड़ सकती है। कमजोर बालकनियों से गिरने पर गंभीर हादसे की आशंका बनी हुई है। इमारतों के बाहरी हिस्सों से प्लास्टर और अन्य सामग्री गिरने का खतरा भी बना रहता है। इसके बावजूद मरम्मत नहीं होने से लोगों में चिंता है। नागरिकों के अनुसार, क्षेत्र में पेयजल की समस्या भी गंभीर है। कई बार घरों में मिट्टी मिला गंदा पानी पहुंचता है, जिसका इस्तेमाल करने में लोगों को परेशानी होती है। दूषित पानी से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका भी बनी रहती है। दूसरी ओर, स्ट्रीट लाइट नहीं होने से रात में सड़कें अंधेरे में डूबी रहती हैं। नालियों की स्थिति भी ठीक नहीं है। क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग से फ्लैटों की मरम्मत कराने, क्षतिग्रस्त बालकनियों को दुरुस्त करने, स्ट्रीट लाइट लगवाने, नालियों की सफाई और स्वच्छ पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि किसी बड़े हादसे के इंतजार के बजाय समय रहते समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए।

अप्रेन्टिसशिप मेला का आयोजन 31 अक्टूबर

यूनिक समय, मथुरा। अप्रेन्टिसशिप मेला का आयोजन राजकीय आईटीआई, गोवर्धन, मथुरा में दिनांक 31 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य ने अवगत कराया है कि वर्ष 2023, 2024, 2025 एवं 2026 में आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी एवं अन्य इच्छुक बेरोजगार अभ्यर्थी नौकरी करना चाहते हैं, वे दिनांक 31 अक्टूबर 2026 को अपने समस्त मूल प्रमाण–पत्र एवं स्वप्रमाणित फोटो प्रति एवं अन्य अभिलेख जैसे– शैक्षिक योग्यता, तकनीकी योग्यता, आधार कार्ड, बैंक डिटेल्स, फोटो के साथ प्रातः 10 बजे संस्थान में उपस्थित होकर भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में संस्थान में सम्पर्क करें।